7 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com   Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-11   जून-2025   पृष्ठ-32   मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER
Sr. Sec. School
Tabiji Farm Road, Ajmer
ESTABLISHING
The Right Environment
We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.
SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman
Archery & International
Level Shooting Range
Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"
Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level
Our Activities
Skating Rink
Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.
Art & Craft
Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer
Web: www.dpsajmer.in
E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

भारत में हिन्दु समाज के पुरातन काल से उच्च संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध परम्पराएं रही हैं। सतयुग, त्रेतायुग और द्वापर युग तक हम विज्ञान व तकनीक में भी विश्व में अद्वितीय रहे तथा आगे भी यह क्रम जारी रहा है। पर इस्लाम के भारत में आगमन से हमारे अनेक ग्रन्थ नष्ट कर दिये गये और अंग्रेजी शासन ने हमारी संस्कृति व शिक्षा को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी भारत के स्वतंत्र होने के बाद भी हमने हमारे सांस्कृतिक गौरव एवं शिक्षा की पुनर्स्थापना पर ध्यान नहीं दिया। आधुनिकता के नाम पर पुरुषों ने तिलक, लगाना छोड़ दिया एवं महिलाओं ने बिन्दी तक लगाना छोड़ दिया।

हम जन्म संस्कार, नामकरण, सगाई, विवाह, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ आदि को हमारे पारम्परिक संस्कारों से मनाना छोड़कर पाश्चात्य मरीके से मनाने में अपनी शान समझने लग गये और अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आज हम न तो स्वयं मंदिर जाते हैं न अपने बच्चों को वहां जाना सिखा पाये। अंग्रेजी माध्यम की कान्वेट स्कूलों में बच्चों का दाखिला कराकर बच्चों से अंग्रेजी की 2 पोइम सुनकर हम बड़े प्रसन्न हो जाते हैं। जबकि उनके मुख से रामायण की 2 चौपाइयां या गीता के 2 श्लोक या गायत्री मंत्र सुनते तो हमें गर्व होना चाहिये था। बच्चों को हम प्रणाम, नमस्कार तथा बड़ो के चरण स्पर्श करना बताना ही भूल गये हैं तथा उनसे हलो या हाय सुनकर प्रसन्न हो रहे हैं।

यदि स्वयं अपनी ही संस्कृति को संरक्षित रखने और आगे वाली पीढ़ी को सम्भलाने का ध्यान नहीं रखेंगे तो यह लुप्त हो जायेगी और असुरक्षा की भावना घर कर लेगी। हम चाहते तो है कि हमारा समाज जागृत हो, पर स्वयं वैसा आचरण नहीं कर रहे। इसके ठीक विपरीत मुसलमानों में सलाम करना, नमाज अदा करना, मस्जिद जाना और कुरान आदि पढ़ना दैनिक जीवन का भाग है तथा उनके पहनावे से ही उनकी पहचान है। वहीं सिक्ख भाई पगड़ी पहन कर अपनी पहचान दर्शाने में कोई शर्म नहीं करते। आज हमारे बच्चे हमारी बात नहीं सुनते ऐसी शिकायतें आम हैं। इसी प्रकार समाज के लोग भी आपस में एक-दूसरे की नहीं सुन रहे। फिर भी हम समस्या की जड़ तक नहीं पहुंच रहे या फिर पहुंचना ही नहीं चाहते। हमारी अपनी पहचान व आचरण हमारी संस्कृति के अनुरूप हो, हमारी सांस्कृतिक पहचान की अभिव्यक्ति दैनिक जीवन में हो, हमारे मांगलिक एवं सांस्कृतिक चिन्हों को हम धारण करें, धार्मिक ग्रन्थों का घर में पाठ करें तथा मंदिर जायें तो हम स्वत: ही बहुसंख्यक दिखने लगेंगे और इससे हम निर्भिक होकर अपनी संस्कृति को अक्षुण रख पायेंगे। ऐसा हम आधुनिकता से सामंजस्य बैठा करके भी कर सकते हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक, विदेशों में इस्कॉन के अनुयायों में देखकर खुशी होती है, जिनमें महिलाएं साड़ी पहनकर और पुरुष धोती-कुर्ते पहनकर 'हरे कृष्णा' गाते हुए सड़कों पर नृत्य करते देखें जा सकते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की क्रोशिया यात्रा में उनका स्वागत गायत्री मंत्र गाकर किया गया था। जब वे हमारी संस्कृति को अपना रहे हैं तो फिर हम क्यों दूसरी ओर जा रहे हैं ?

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
नीट (यूजी) परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं	4
12 एवं 10 वीं में उत्तीण छात्र-छात्राएं	5,6,15
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) का अधिवेशन एवं चुनाव सम्पन्न	7
डॉ. आकाश मरोड़िया ने M.Ch. परीक्षा में प्राप्त की शानदार सफलता	8
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के पंकज सिरोहिया बने प्रदेश मंत्री	8
शांतिपुरा, अजमेर में सात दिवसीय नि:शुल्क चित्रकला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ	8
चंगेड़िया लगातार चौथी बार भाजपा महामंत्री बने	8
मोहन नागा को बनाया कुमावत युवा शक्ति जिला प्रभारी	8
पवन कुमावत का भारतीय टीम मे चयन	8
निर्जला एकादशी पर राहगीरों को पिलाई लस्सी, प्यासों को पिलाया पानी	9
पक्षियों के लिए परिंडों की व्यवस्था की गई	9
वाटर कूलर का लोकार्पण	9
कारगिल शहीद ग्रेनेडियर सीताराम कुमावत की 26वीं पुण्य स्मृति को शौर्यांजलि समारोह के रूप में मनाया गया	10
मल्लाराम कुमावत को बजरी के डम्पर ने कुचलकर मारा	10
सीकर में राहुल कुमावत की दुर्घटना में मृत्यु	10
जैतारण कुमावत समाज संस्थान की बैठक में सुधार पर चर्चा	10
बरकत नगर में बाबा रामदेव के मंदिर का लोकार्पण	11
लक्ष्मी कुमावत बनी प्राचार्य	11
गूगल समर ऑफ कोड के लिए करण का चयन	11
इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने की आवश्यक शर्तें - विशेष जानकारी	12
छात्रावास बने इसके लिए रामलाल छापरवाल ने नंगे पांव रहने का संकल्प लिया	12
नव-ताप या नौ-तपा क्या होता है	13
ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-7	13
चौथ का बरवाड़ा में समाज की धर्मशाला निर्माण	14
कुमावत प्रतिभा सम्मान समारोह: विद्यार्थियों को सम्मानित किया	14
मेडीकल कैम्प एवं ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन	14
विज्ञापन	16-18
झूलों से दूर होता सावन : बदलती परंपराएं, बिखरती विरासत	19
गुरु पूर्णिमा: गुरु को सम्मानित करने की परंपरा का पर्व	20
गुरु पूर्णिमा -जीवन में प्रकाश भरते वो दीपक	22
बुखार (Fever) से संबंधित सामान्य जानकारी	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
विज्ञापन	27-30

नीट (यूजी) परीक्षा में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

शारदा कुमावत

संदीप कुमावत

रक्षांश राज

प्रतिभा कुमावत

कौशल कुमावत

खुशी कुमावत

कनिका कुमावत

चेतन कुमार

अभय कुमावत

सुरेन्द्र कुमार कुमावत

मानसी टांक

वेद प्रकाश कुमावत

अंकिता कुमावत

प्रियांशु कुमावत

नवीन कुमावत

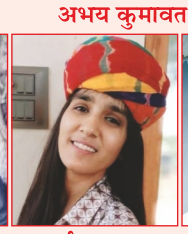
वर्षा कुमावत

जितेन्द्र कुमार

दृष्टी कुमावत

शुभम कुमावत

ऋतुराज कुमावत

प्रियल कुमावत

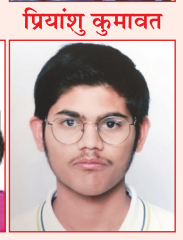
युवराज कुदाल

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार के सदस्यों में से
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के चुनावों में भी निर्वाचित
राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं मनोनीत मुख्य संरक्षक को

हार्दिक बधाई

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

शुभेच्छू **'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार**

श्री सुरेन्द्र नागा
मुख्य संरक्षक

श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्रीमती भारती तोंदवाल
राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री

कक्षा 12 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

दिव्यांशी कुमावत
98.67

कोमल कुमावत
98.20

मुस्कान कुमावत
97.80

स्नेहा कुमावत
97.20

मिताशी कुमावत
97.20

नव्या कुमावत
97.00

अंकिता कुमावत
96.60

कृष्ण कुमावत
96.60

रीवा कुमावत
96.60

दीपिका कुमावत
96.40

खुशी कुमावत
96.40

अजय कुमावत
96.33

निशा कुमावत
96.00

नेहा कुमावत
96.00

शिवानी कुमावत
95.40

प्रिया कुमावत
95.20

दीपक कुमावत
95.20

कुमकुम कुमावत
95.00

आकांशा कुमावत
95.00

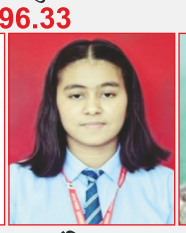
दमयंति कुमावत
95.00

अंजू कुमावत
95.00

सेजल नागा
95.00

हरिप्रसाद कुमावत
94.80

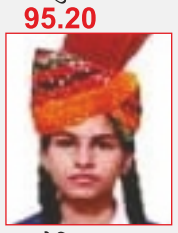
ज्योति कुमावत
94.80

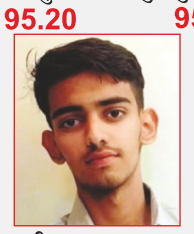
आशीष कुमार कुमावत
94.80

हिमांशु कुमावत
94.80

कनिष्का कुमावत
94.60

नेहा कुमावत
94.60

कोमल कुमावत
94.60

महेन्द्र कुमावत
94.40

भूमिका कुमावत
94.40

मुस्कान नागा
94.00

ईशा कुमावत
94.00

राधेश्याम कुमावत
93.80

पूर्विका कुमावत
93.40

दीपिका कुमावत
93.40

मनिषा कुमावत
93.40

अनुराधा कुमावत
93.00

चिंकी कुमावत
93.00

आर्यन कुमावत
93.00

हरिश कुमावत
92.80

ईशा कुमावत
92.60

कृष्णा कुमावत
92.40

लक्षिता कुमावत
92.20

अनशिखा कुमावत
92.00

हरिओम कुमावत
91.60

जितेश कुमावत
91.60

गुणिका कुमावत
91.60

संगीता कुमावत
91.60

विष्णु कुमावत
91.40

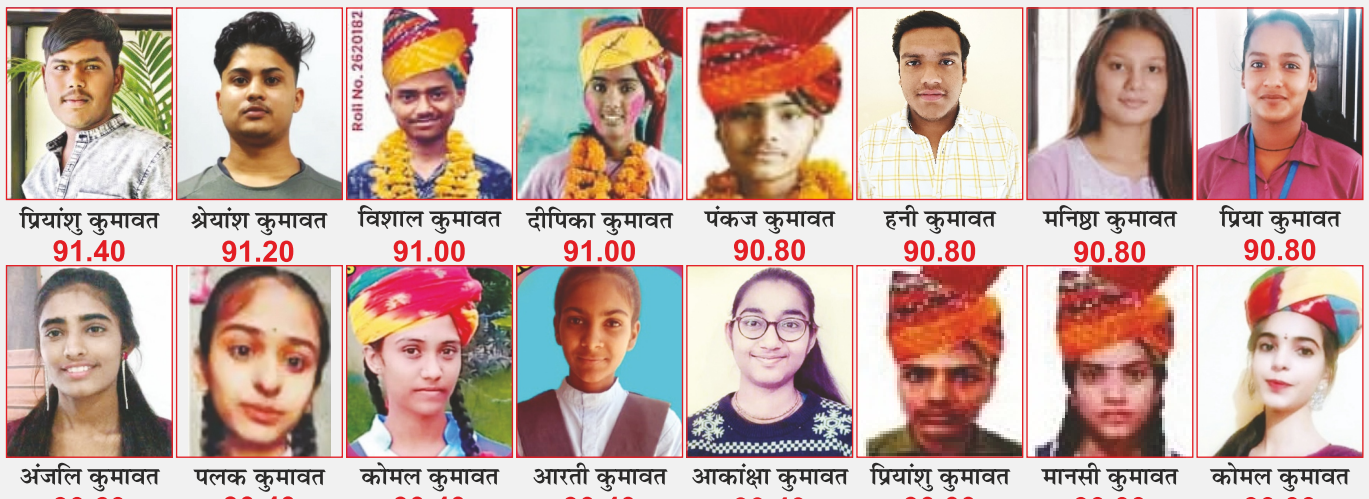

प्रियांशु कुमावत 91.40 | श्रेयांश कुमावत 91.20 | विशाल कुमावत 91.00 | दीपिका कुमावत 91.00 | पंकज कुमावत 90.80 | हनी कुमावत 90.80 | मनिष्ठा कुमावत 90.80 | प्रिया कुमावत 90.80

अंजलि कुमावत 90.60 | पलक कुमावत 90.40 | कोमल कुमावत 90.40 | आरती कुमावत 90.40 | आकांक्षा कुमावत 90.40 | प्रियांशु कुमावत 90.00 | मानसी कुमावत 90.00 | कोमल कुमावत 90.00

आस्था कुमावत 89.40 | रोहित कुमावत 89.00 | एकता कुमावत 86.80 | लोकेश कुमावत 86.20 | आयुष कुमावत 86.20 | सीमा कुमावत 85.80 | किशोर भोमावत 85.60 | रोहित कुमावत 84.83

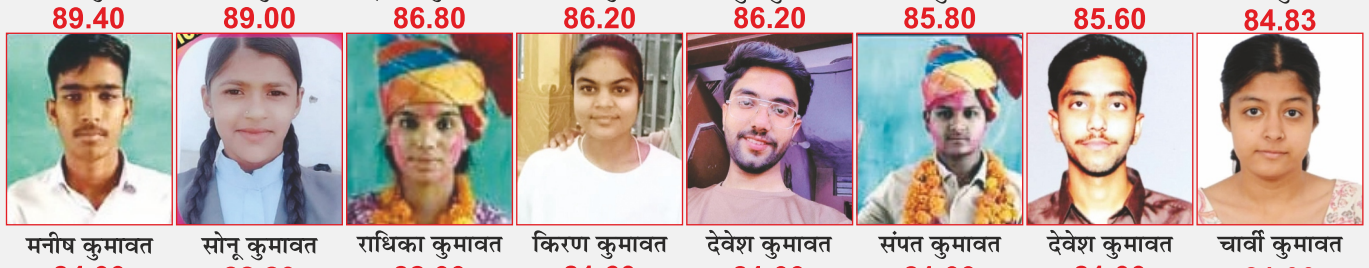

मनीष कुमावत 84.00 | सोनू कुमावत 82.20 | राधिका कुमावत 82.00 | किरण कुमावत 81.60 | देवेश कुमावत 81.00 | संपत कुमावत 81.00 | देवेश कुमावत 81.00 | चार्वी कुमावत 81.00

कक्षा 10 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

हेमंत कुमावत 99.33 | देवांश कुमावत 98.50 | पंकज कुमावत 98.17 | सोनिया कुमावत 98.17 | यशिता कुमावत 97.83 | हर्षिता कुमावत 97.50 | इशिका कुमावत 97.33

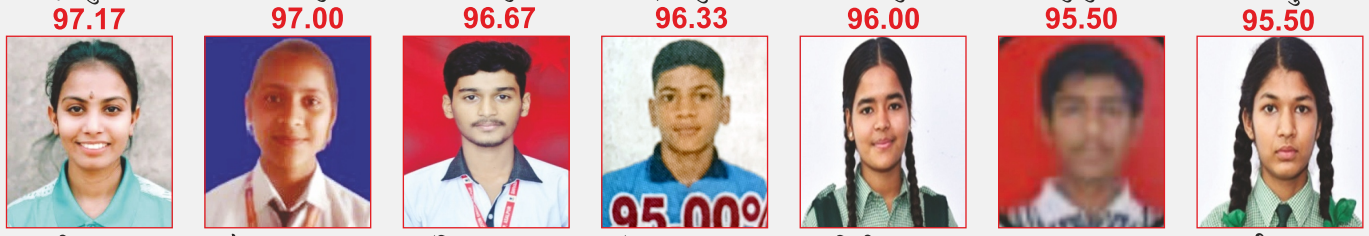

रोहित कुमावत 97.17 | अविका कुमावत 97.00 | मनस्वी कुमावत 96.67 | लक्षिता कुमावत 96.33 | भाग्यश्री कुमावत 96.00 | कुसुम 95.50 | भाविका कुमावत 95.50

रश्मी कुमावत 95.33 | रौनक कुमावत 95.00 | अंकित कुमावत 95.00 | हंसराज कुमावत 95.00 | यामिनी कुमावत 95.00 | अक्ष कुमावत 94.50 | तनुश्री कुमावत 94.33

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) का अधिवेशन एवं चुनाव सम्पन्न

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) का पंचवर्षीय अधिवेशन एवं चुनाव राजस्थान की धार्मिक नगरी पुष्कर में धूमधाम से संपन्न हुआ। जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, गुजरात, दमन एण्ड दीव आदि राज्यों से कुमावत समाज बन्धुओं ने भाग लिया। रूप सिंह कारगवाल, राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि अधिवेशन के प्रथम दिन कार्यकारिणी की मीटिंग सायं 4.30 बजे संपन्न हुई। जिसमें समाज के प्रबुद्धजन एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए मीटिंग में अधिवेशन के एजेण्डे को सभी ने एक स्वर में रखने की घोषणा की। जैसे समाज का सामुदायिक भवन, छात्रावास बनाना, आर्थिक कमजोर छात्र-छात्राओं की मदद करना, राज्य व केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का फायदा समाज के लोगों को दिलाना, समाज की स्थानीय कुरूतियों को दूर करना, एवं संस्था के 5 वर्ष के आय-व्यय विवरण पेश करना। फिर सभी ने सामूहिक भोजन करके रात्रि विश्राम किया। अधिवेशन के दूसरे दिन प्रातः 11 बजे सभी अतिथियों ने समारोह की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया की अगुवाई में श्री राम जी के चित्र पर माला अर्पण कर दीप प्रज्ज्वलन करके विधिवत कार्यक्रम की शुरूआत की। महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रूप सिंह कुमावत ने बताया कि प्रदेश की परम्परा के अनुसार पधारे हुए सभी अतिथियों का माला एवं साफा पहना कर तथा मोमेण्टो भेंटकर पंचवर्षीय अधिवेशन एवं चुनाव संयोजक विमल कुमावत, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया, महाराष्ट्र से पधारे श्रीकांत तुसे, डाक्टर जय नारायण जूनवाल आदि ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री श्री सुरेश सिंह जी रावत, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता पूर्व विधायक श्री नानूराम जी कुमावत, पूर्व विधायक एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री ओबीसी मोर्चा श्री निर्मल जी कुमावत, पीसीसी के संगठन महामंत्री श्री ललित जी तूनवाल, चव्वालिसा अध्यक्ष श्री नेमिचंद कुमावत आदि पधारे। महामंत्री ने अधिवेशन के ऐजेण्डे को प्रस्तुत किया जिन्हे अध्यक्ष रामेश्वर जी ने हाथ खड़े कराकर पधारे हुए सभी समाज बंधुओं से सर्वसम्मति से पास करवाया। अतिथियों ने भाषण में कहा कि हमें जल्द से जल्द छात्रावास के लिए मांग रखनी चाहिए इस पर मंत्री महोदय ने समाज को आश्वस्थ किया कि समाज की जो भी मांग है उसे सरकार से पूरी करवायेंगे एवं कुमावत समाज की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं समाज को अनुशासित एवं भाजपा से जुडा हुआ बताया। दोपहर 2 बजे सभी पधारे हुए अतिथियों ने सरूचि भोजन का आनन्द लिया। चुनाव प्रक्रिया में मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रमेश जी गैदर साहब ने पूरे भारतवर्ष से चुने गए 153 कार्यकारिणी सदस्यों में से 25 राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चुनाव कराने हेतु सभी इच्छुक प्रतिनिधियों से नामांकन फॉर्म लिये और चुनाव अधिकारी जी ने निर्वाचन परिणाम की घोषणा की। जिसमें महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पुनः श्री रामेश्वर बम्बोरिया निर्वाचित हुए, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जयनारायण जूनवाल, उपाध्यक्ष सुरेश चंद भोरोदिया, रामेश्वर कुमावत, नारायण प्रसाद चेजारा, डॉ. मेघना घोडेला, घनश्याम होदकास्या, राष्ट्रीय महामंत्री पद पर पुनः रूप सिंह कारगवाल, नरेन्द्र कुण्डलवाल, श्रीमती सोनिया डॉल महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद पर श्री लक्ष्मीनारायण घोडीवाल, मंत्री प्रवीण बालोदिया, राधाकिशन खूखवाल, साहित्यक सांस्कृतिक मंत्री, पिंकी बधानिया, संगठन एवं प्रचार मंत्री सुन्दर लाल बगीनवाल, राम लाल छापरवाल, शिक्षा मंत्री भारती तोंदवाल, उद्योग मंत्री महेश कारगवाल, महिला बाल विकास मंत्री रोहिणी बडीवाल, शिल्पकला मंत्री जीवराज सिरोहिया, राजनैतिक चेतना मंत्री अर्जुन लोहरवाडिया, खेल मंत्री सौभाग मल बधानिया, कानून सुरक्षा मंत्री शिवराज ओस्तवाल, सामाजिक सुरक्षा सम्पत्ति मंत्री राम प्रसाद मेहरांवडिया, इतिहास एवं शोध मंत्री गणेश माचीवाल निर्वाचित घोषित किए गए। संस्था के मुख्य सलाहकार एवं उच्चाधिकार समिति अध्यक्ष श्री विमल कुमावत, मुख्य संरक्षक श्री सुरेन्द्र कुमार नागा, एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की घोषणा की गई। जिसमें महिला मोर्चा प्रकोष्ठ श्रीमती सरोज बडीवाल, युवा मोर्चा बालु कुमावत, व्यापार प्रकोष्ठ चन्द्र प्रकाश, जनगणना प्रकोष्ठ वृजमोहन देवतवाल, किसान प्रकोष्ठ हजारी लाल खणदारिया, कर्मचारी प्रकोष्ठ लोकेश सिंगाठिया की घोषणा की। सभी पधारे हुए अतिथियों का पंचवर्षीय अधिवेशन एवं चुनाव संयोजक श्री विमल कुमावत द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती भारती वर्मा द्वारा किया गया। अंत में सभी ने साथ में सुरूचि भोजन किया तत्पश्चात अधिवेशन की समापन की घोषणा की गई।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं मनोनीत पदाधिकारियों को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

Created by Universal Document Converter

डॉ. आकाश मरोड़िया ने M.Ch. परीक्षा में प्राप्त की शानदार सफलता

जयपुर। डॉ. आकाश मरोड़िया सुपुत्र श्री राजेश कुमावत एवं कविता कुमावत ने M.Ch. सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा में उत्कृष्ट 242वीं रैंक प्राप्त कर एक विशिष्ट उपलब्धि अर्जित की है। यह सफलता उन्हें भारत के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में से एक- किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी- में प्रवेश दिलाने में सहायक बनी है। यह उपलब्धि न केवल उनके कठोर परिश्रम और आत्मविश्वास का परिणाम है, बल्कि चिकित्सा सेवा के प्रति उनके समर्पण का भी जीवंत प्रमाण है।

डॉ. आकाश ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस तथा जनरल सर्जरी में विशेष योग्यता के साथ शिक्षा पूर्ण की है। वर्ष 2013 में आकाश साइंस टॉपर रह चुके हैं। प्रारंभ से ही अपनी लगन और प्रतिभा से उन्होंने यह सिद्ध किया है कि लक्ष्य को पाने के लिए अनुशासन और मेहनत अनिवार्य है।

समाज के लिए प्रेरणा बन चुके डॉ. आकाश को इस गौरवशाली उपलब्धि पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। आशा हैं कि ये चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छूएंगे और अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवान्वित करते रहेंगे।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के पंकज सिरोहिया बने प्रदेश मंत्री

जयपुर। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के सरंक्षक, कोर कमेटी, प्रदेश समन्वयक घनश्याम साबलिया एवं प्रदेश पर्यवेक्षक टीकम मावर की अनुशंसा पर पंकज सिरोहिया निवासी जयपुर को राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। पंकज सिरोहिया की यह नियुक्ति निष्ठा, सेवा भावना, ईमानदारी, कार्यशैली तथा संगठनात्मक क्षमताओं को मध्यनजर रखते हुए की गई है। वे समिति के जयपुर जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी जैसे दायित्वों का सफल निर्वहन कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में जिले में कई सामाजिक, शैक्षणिक एवं युवा प्रेरणा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुए। पंकज सिरोहिया ने युवाओं को संगठित करने, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करने एवं समाज के पारंपरिक मूल्यों को आधुनिक सोच के साथ जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनकी नियुक्ति से युवा वर्ग को सही मार्गदर्शन मिलेगा, समिति को भी एक ऊजार्वान, निष्ठावान एवं कर्मठ नेतृत्व प्राप्त होगा। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री पंकज सिरोहिया को हार्दिक बधाई।

शांतिपुरा, अजमेर में सात दिवसीय नि:शुल्क चित्रकला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

सात दिवसीय नि:शुल्क चित्रकला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शांतिपुरा, अजमेर में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि सेवानिवृत राजकीय अध्यापिका श्रीमती विमला देवी कुमावत पत्नी स्वर्गीय श्री माणकचंद जी देवतवाल रहीं। शिविर के प्रथम दिवस पर 24 बालक एवं बालिकाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुख्य अतिथि एवं संस्था के कोषाध्यक्ष श्री जितेंद्र जी देवतवाल के सौजन्य से शिविर में उपस्थित बालक बालिकाओं, अभिभावकों, एवं सभी उपस्थित सज्जनों को समोसा एवं देसी घी के मोतीचूर लड्डुओं का अल्पाहार कराया गया। **-हनुमान सिंह आर्य, अध्यक्ष**

चंगेड़िया लगातार चौथी बार भाजपा महामंत्री बने

साँवेर, 22मई 2025। भारतीय जनता पार्टी मंडल साँवेर के श्री संदीप चंगड़िया को लगातार चौथी बार महामंत्री नियुक्त किया गया है। इनके महामंत्री नियुक्त होने पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष व वर्तमान भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप चौधरी भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष नेमीचंद कारवाल, सहकारी संस्था साँवेर के पूर्व अध्यक्ष सेठ गजानंद डूंगरवाल, पवन भदनिया, अनिल नागोरा, मुरारी ओस्तवाल, राजेश बंडवाल, रिषभ चंगेड़िया आदि कुमावत समाजजनों ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी श्री संदीप चंगेडिया को हार्दिक बधाई।

मोहन नागा को बनाया कुमावत युवा शक्ति जिला प्रभारी

नावां सिटी। मोहन नागा को कुमावत युवा शक्ति के डीडवाना कुचामन जिला का प्रभारी नियुक्त किया गया है। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के सरंक्षक एवं कौर कमेटी, प्रदेश समन्वयक प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम साबलिया व प्रदेश पर्यवेक्षक टीकम मावर की अनुसंशा पर राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र - राजोरिया ने कुमावत समाज अध्यक्ष सीताराम नागा के पुत्र मोहन नागा को जिला प्रभारी नियुक्त किया है।

पवन कुमावत का भारतीय टीम मे चयन

पवन कुमावत का 16 से 19 जुलाई तक होने जा रही वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग, थाईलैंड के लिए सीनियर वर्ग 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम में चयन किया गया है। इनका चयन हाल ही में हुई सीनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता हरियाणा में ट्रायल के आधार पर किया गया है। पवन कुमावत इससे पहले भी भारत के लिए कई पदक दिला चुके हैं।

Created by Universal Document Converter

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पूज्य संत, पद्मविभूषित जगद् गुरु तुलसीपीठाधीश्वर रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज को संस्कृत भाषा व साहित्य के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित **'ज्ञानपीठ पुरस्कार-2023'** से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

यह गौरवशाली सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत साधना और प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि समस्त संस्कृत साहित्य जगत एवं भारतीय सनातन परंपरा के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

स्वामिनी सेवा संस्था

निर्जला एकादशी पर राहगीरों को पिलाई लस्सी, प्यासों को पिलाया पानी

जयपुर। स्वामिनी सेवा संस्था ने प्रचंड गर्मी के दिनों में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर ई.एस.आई. अस्पताल, सोडाला, जयपुर पर राहगीरों को दही की लस्सी का वितरण कर मानव सेवा की मिसाल पेश की।

ठंडी लस्सी पी कर राहगीरों ने गर्मी में राहत की सांस ली और संस्था का आभार जताया। इस सेवा यज्ञ में स्वामिनी सेवा संस्था के संस्था के अशोक कुमावत, गोविंद कुमावत, गुरूदयाल वर्मा, महेंद्र कुमावत आदि ने सक्रिय योगदान दिया।

संस्था अध्यक्ष श्री अशोक कुमावत ने कहा, ''निर्जला एकादशी के दिन जल व शीतल पेय पिलाने की सेवा देना हमारे धर्मग्रन्थों में पुण्य माना गया है तथा फलदायक माना गया है। इससे पहले इस संस्था ने प्रचंड गर्मी में 200 बाईपास चौराहे पर पानी की बोतले राहगीरों को वितरित की थी।

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर

पक्षियों के लिए परिंडों की व्यवस्था की गई

उपाध्यक्ष चेतना वर्मा जी की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ संस्था के सदस्यों ने नेहरू बाल उद्यान में पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था की और यह व्यवस्था प्रतिदिन सुचारू रूप से जारी रहे, इसकी सदस्यों ने जिम्मेदारी ली। इसके साथ ही संस्था के सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे सब अपने-अपने स्थान पर भी इसकी व्यवस्था करें और पक्षियों के भोजन व जल का नियमित ध्यान रखें ।

केवल पक्षियों के लिए ही नहीं पशुओं के लिए भी पानी की व्यवस्था करें। घर के बाहर एक पानी का बर्तन रखे जिससे जानवर पानी पी सकें, खाने योग्य वस्तुओं को कभी भी कचरा पात्र में नहीं डालें। बेजुबान पशु एवं पक्षी हमारे पर्यावरण का हिस्सा है हमें अपने साथ-साथ इनका भी ध्यान रखना चाहिए यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। भूखे-प्यासे को खाना देना व पानी पिलाने से बड़ा कोई परोपकार नहीं है इसलिए इसको अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और अपने आसपास के लोगों को भी इससे जोड़ें।

वाटर कूलर का लोकार्पण

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती अजीतगढ़ कस्बा वासियों के प्रति जागरुक दृष्टिकोण रखने वाले, विराट व्यक्तित्व के मालिक ''बाबूभाई'' (बाबूलाल कुमावत) की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में मालती कुमावत पूर्व सरपंच अजीतगढ़ द्वारा लोकहितार्थ में समर्पित वाटर कूलर का केरली में स्कूल से थोड़ी आगे सामने की तरफ सड़क किनारे लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह में परिजनों के साथ-साथ अनेक लोग मौजूद रहे। विदित रहे कि स्वर्गीय बाबूलाल कुमावत श्रीमाधोपुर के पूर्व उपप्रधान एवं अजीतगढ़ के पूर्व सरपंच के रुप में चर्चित रहे। गत वर्ष प्रथम पुण्यतिथि पर श्रीकृष्ण गौशाला अजीतगढ़ में भी वाटर कूलर एवं आरओ फिल्टर प्रदान किया गया था। स्वर्गीय बाबूलाल कुमावत के पुत्रों एडवोकेट अभिषेक कुमावत एवं मेडिकल स्टोर चलाने वाले अखिलेश मारोडिया ने जानकारी दी कि वाटर कूलर से राहगीरों सहित सभी लोगों को राहत मिलेगी।

Created by Universal Document Converter

कारगिल शहीद ग्रेनेडियर सीताराम कुमावत की 26वीं पुण्य स्मृति को शौर्यांजलि समारोह के रूप में मनाया गया

पलसाना के शहीद सीताराम कुमावत जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में कारगिल अमर शहीद ग्रेनेडियर सीताराम कुमावत के बलिदान दिवस की 26वीं पुण्य स्मृति को सम्मान समारोह के साथ शौर्य वाहन रैली निकालकर श्रद्धांजलि दी गई।

संस्थान अध्यक्ष नवीन कुमार दक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महंत मनोहर महाराज, शहीद सीताराम कुमावत की यूनिट के अधिकारी जेसीओ आजादसिंह मय यूनिट जबलपुर से, दातांरामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत पलसाना, उप तहसीलदार रामनिवास बोचल्या, रानोली थाना अधिकारी राजेश बुढ़ानिया, सीकर से कमांडेंट रामावतार जी मय यूनिट, कुमावत सेवा समिति के अध्यक्ष नेमीचंद किरोड़ीवाल, समाज सेविका मधु कुमावत शहीद सीताराम की माता गीता देवी, धर्मपत्नी सुनीता देवी, पुत्री प्रियंका, नीतू, आशीष, राजेंद्र व उनके परिवार से शामिल हुए। इस अवसर पर शहर के 10वीं और 12वीं के प्रतिभावान विधार्थियों व भामाशाहों का सम्मान किया गया। सैनिकों को सैन्य गौरव सम्मान वह समाजसेवा के लिए सेवा गौरव सम्मान से अनेक संगठन सेवा से जुड़े हुए व्यक्तियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शहीद परिवार के दामाद श्री होश्यारीलाल कुमावत, संस्थान कोषाध्यक्ष राजेश कुदाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मल्लाराम कुमावत को बजरी के डम्पर ने कुचलकर मारा

बैरा बोड़िया, निमाज, जैतारण के पास अवैध बजरी से भरे डम्पर ने बाईक सवार सब्जी विक्रेता मल्लाराम कुमावत को तेज रफ्तार से कुचल दिया। मल्लाराम का सिर टायर के नीचे आने से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद डम्पर चालक घटनास्थल से भाग गया। इस घटना से आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और खनन माफिया तथा डम्पर मालिक भैराराम पालड़िया के साथ क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के विरुद्ध प्रदर्शन शुरू हुए। ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और दोषियों को गिफ्तार करने के साथ-साथ उनके संसाधनों को जब्त करने, सम्पत्ति को नष्ट करने तथा मृतक के

परिजनों को 1 करोड़ रुपए के मुआवजे के साथ परिवार के दो लोगों को नौकरी देने की मांग की। पुलिस एवं प्रशासन मूक दर्शक होकर देखता रहा।

अगले दिन समझाईश पर अन्तिम सहमति बनी जिसके तहत परिजनों को 15 लाख की आर्थिक सहायता, परिवार के दो जनों को संविदा आधार पर नौकरी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया गया। समझौता वार्ता में जैतारण के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेन्द्र गोयल एवं समाजसेवी राजेश कुमावत आदि ने योगदान दिया। अवैध बजरी का स्टॉक तथा दो जेसीबी सीज की गई। तत्पश्चात् मृतक मल्लाराम का अंतिम संस्कार किया गया।

सीकर में राहुल कुमावत की दुर्घटना में मृत्यु

सीकर जिले में राहुल कुमावत की दुर्घटना में मृत्यु हो जाने तथा इस घटना पर लम्बा समय व्यतीत होने पर भी पीड़ित परिवार को अभी तक न्याय सुलभ नहीं होने पर पुलिस विभाग द्वारा जांच में अनुसंधान अधिकारी, पुलिस थाना रानोली के द्वारा आरोपियों से मिलीभगत तथा गवाह को बुलाकर धमकाने एवं दबाव बनाने की घटना के विरुद्ध कुमावत समाज के विभिन्न संगठनों ने विरोध व्यक्त करते हुए अनुसंधान अधिकारी को घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज नहीं लेने पर उच्च स्तरीय जांच कराने हेतु तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने हेतु ज्ञापन दिए गए हैं जिसमें मदनगंज-किशनगढ़, दांतारामगढ़ तथा नावां-कुचामन के सामाजिक संगठन प्रमुख हैं।

जैतारण कुमावत समाज संस्थान की बैठक में सुधार पर चर्चा

जैतारण कुमावत समाज संस्थान 44 खेड़ा बलून्दा पट्टी की आमसभा न्याति नौहरा में अध्यक्ष सुगनाराम माननिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षा, समाज सुधार सहित समाज के विकास को लेकर चर्चा हुई। बैठक में छात्रावास विकास को लेकर कमेटी गठन का निर्णय लिया। इस दौरान संस्थान की कार्यकारिणी को लेकर समाजबंधुओं द्वारा पूर्व कार्यकारिणी को यथावत रखने का निर्णय लिया। इस मौके बक्साराम, गोविन्दराम, रामनिवास, रूपाराम रेड, सुखाराम लिम्बा, अमराराम चान्दोरा, प्रकाश मावर, नित्यानन्द बाकरेचा, पोकरराम मावर, लालाराम मेरोता, गोवर्धन चांदोरा आदि मौजूद रहे।

Created by Universal Document Converter

बरकत नगर में बाबा रामदेव के मंदिर का लोकार्पण

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर के अनेक वर्षों के प्रयासों के तहत विनोबा बस्ती, बरकत नगर, जयपुर में बाबा रामदेवजी महाराज के मंदिर का निर्माण हुआ है। इसके लिए समिति के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान संरक्षक श्री बाबूलाल ब्याड़वाल का अथक परिश्रम इस मंदिर के लोकार्पण पर पूर्ण हुआ है। समिति अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार मारवाल व उनकी टीम ने भी इस कार्य में कोई कोर कसर नहीं रखी।

7 जून, 2025 को मूर्तियों की स्थापना का कार्यक्रम कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा के साथ प्रारम्भ हुआ, जो आदर्श बस्ती टोंक फाटक, जयपुर के शिव मंदिर से प्रारम्भ हुई। 151 महिलाएं सज-धजकर सिर पर कलश धारण कर बैण्ड बाजे के साथ रवाना हुई। इनका मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। भूमि दानदाता के पुत्र श्री पूरण गेदर व दिनेश गेदर सपरिवार रथ पर सवार होकर मूर्तियों के साथ नगर भ्रमण पर निकले। यात्रा के विनोबा बस्ती मंदिर पहुंचने पर देव विग्रहों और कलशों की आरती उतारी गई। उसके पश्चात मंदिर परिसर में हवन का आयोजन हुआ तथा मूर्तियों का अन्नादिवास, जलादिवास, पुष्पादिवास, फलादिवास व शयन कराया गया।

8 जून, 2025 को प्रात: सभी देव विग्रहों को स्नान कराकर नेत्र विलोचन कर विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। तत्पश्चात् शृंगार, भोग तथा आरती का आयोजन हुआ। सायंकाल भण्डारा प्रसादी हुई।

मंदिर में मुख्य मूर्ति श्री बाबा रामदेव जी महाराज की स्थापना श्रीमती नीतू गेदर व श्री पवन गेदर के सौजन्य से हुई। इसी तरह ज्वाला माता की मूर्ति श्री पूरण गेदर-मीना, शिव परिवार अतुल सिंघलवाल-मीना, पुराने शिव मंदिर की प्रतिष्ठा ईश्वर लाल लोठ्या-अनीता देवी द्वारा तथा सहयोगी श्री आनन्द कुमार गेदर-गुलाब देवी, श्री पूरण गेदर-प्रेम, श्री दिनेश गेदर-चन्द्रा, ओम प्रकाश गेदर-लक्ष्मी, श्री दिनेश-ममता द्वारा हुई। समिति द्वारा इस अवसर पर भामाशाहों का सम्मान भी किया गया।

लक्ष्मी कुमावत बनी प्राचार्य

दांतारामगढ़ के से.नि. प्राचार्य प्रोफेसर राम कुमार चेजारा की पुत्री तथा गुढ़ा बेरसल (जोबनेर) नेहरा परिवार की कुलवधु लक्ष्मी कुमावत पत्नी स्व. डॉ. रमेश नेहरा ने राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल दांता रामगढ़ जिला सीकर में प्राचार्य पद पर दिनांक 30 मई 2025 को कार्यभार ग्रहण किया।

लक्ष्मी कुमावत की सामाजिक तथा शैक्षणिक कार्य में प्रारंभ से ही रूचि रही है। आप डॉ. रमेश नेहरा स्मृति संस्थान, दांता रामगढ़ की अध्यक्ष हैं और इस संस्थान द्वारा संचालित विज्डम वर्ल्ड स्कूल का रिजल्ट पूरे दांता रामगढ़ क्षेत्र में अव्वल रहा है। विद्यालय के एक छात्र ने 98% दूसरी छात्रा ने 96% तथा तीन ने नव्बे प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। शेष बारह छात्रों के भी 75% से ऊपर अंक आये है। इस खुशी में विज्डम वर्ल्ड स्कूल का स्टाफ तथा छात्र गाजे- बाजे के साथ राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्य ग्रहण करवाने गये। दांता रामगढ़ क्षेत्र में कुमावत समाज की एक मात्र महिला का प्राचार्य पद पर प्रमोशन से क्षेत्र के समाज बंधुओं में उत्साह रहा।

लक्ष्मी के पिता प्रोफेसर राम कुमार चेजारा कालेज शिक्षा में प्राचार्य रहे हैं। ससुराल में बड़े जेठ डॉ. सीताराम नेहरा कालेज में प्रोफेसर तथा छोटे डॉ. कैलाश नेहरा श्रीराम फर्टीलाइजर में मेनेजर है तथा पति स्व. डॉ. रमेश नेहरा आयुर्वेद चिकित्सक थे। इसलिए लक्ष्मी को शिक्षा, सेवा व संस्कार बचपन से ही प्राप्त हैं।

लक्ष्मी को क्षेत्र के सभी मूर्धन्य समाज बंधुओं ने बधाई दी है। वर्तमान उपप्रधान श्रीमती सुशीला सिरसवा, पूर्व उपप्रधान श्री बसंत कुमावत, पद्मश्री सुंडाराम जी, पूर्व ONGC डिप्टी डायरेक्टर खेताराम तथा भाजपा प्रत्याशी श्री गजानंद कुमावत आदि ने शुभकामनाएं दी और लक्ष्मी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

- हर्ष कुमावत, दांता रामगढ़ (सीकर)

सूचना

'कुमावत इंडिया' पत्रिका समाज की प्रतिभावान महिलाओं, उच्च राजकीय पदों पर नियुक्त, प्रोफेशनल्स, प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समान योग्यता वाली महिलाओं का परिचय प्रकाशित करना चाहती है।

कृपया वाट्सएप नं.9460870125 या ईमेल kumawatindiapatrika@gmail.com पर अपना विवरण **(नाम, पिता/पति, शिक्षा, प्रोफेशन तथा उपलब्धियां) मय फोटो** प्रेषित करने का कष्ट करें। **- सम्पादक**

नोट : जुलाई - अगस्त 2025 का सयुक्त अंक प्रकाशित किया जायेगा जो अगस्त के अन्त तक आप को मिल पायेगा।

Created by Universal Document Converter

इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने की आवश्यक शर्तें - विशेष जानकारी

सीजीएसटी एक्ट, 2017 की धारा 16 में इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने के संबंध में आवश्यक शर्तें बताई गई है। उन शर्तों की पूर्ति होने पर कोई व्यवहारी इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लें सकता है। धारा 16 के तहत निम्न शर्तों का पूरा होना आवश्यक है-

(1) हर पंजीकृत व्यक्ति, कुछ शर्तों और सीमाओं के अधीन, अपने व्यवसाय के दौरान या व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्राप्त किसी भी वस्तु या सेवा या दोनों पर वसूले गए इनपुट टैक्स का क्रेडिट लेने का अधिकारी होगा। यह क्रेडिट उसके इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर में डाला जाएगा।

(2) लेकिन, कोई भी पंजीकृत व्यक्ति तब तक इनपुट टैक्स क्रेडिट नहीं ले सकता जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं होती-

(a) उसके पास वैध टैक्स इनवॉइस या डेबिट नोट या अन्य निर्धारित दस्तावेज हो।

(aa) वह इनवॉइस या डेबिट नोट सप्लायर द्वारा आऊटपुट सप्लाई के विवरण में फार्म GSTR-1 Furnish किया गया हो और वह विवरण प्राप्तकर्ता तक पहुँचा हो।

(b)उसे वस्तुएँ या सेवाएँ वास्तव में प्राप्त हो गई हों।

स्पष्टीकरण - यदि सप्लायर किसी तीसरे व्यक्ति को पंजीकृत व्यक्ति के कहने पर वस्तुएँ भेजता है या सेवाएँ प्रदान करता है, तो वह वस्तुएँ या सेवाएँ प्राप्त हो गई मानी जायेगी।

(ba) उस सप्लाई के लिए जो इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्तकर्ता को दिया गया है, वह प्रतिबंधित न हो।

(c) उस सप्लाई पर टैक्स वास्तव में सरकार को चुका दिया गया हो, चाहे नगद में या वैध इनपुट टैक्स क्रेडिट के उपयोग से।

(d) पंजीकृत व्यक्ति ने धारा 39 के अंतर्गत अपना रिटर्न फाइल किया हो।

प्रोविजो - यदि किसी इनवॉइस के आधार पर सामान किस्तों में आता है, तो अंतिम किस्त मिलने पर ही ITC मिलेगा।

यदि प्राप्तकर्ता ने इनवॉइस जारी होने की तारीख से 180 दिनों के भीतर सप्लायर को भुगतान नहीं किया, तो जितना ITC लिया गया था उतना टैक्स और ब्याज सरकार को चुकाना होगा। बाद में भुगतान करने पर वह ITC पुनः ले सकता है। (Rule 37)

(3) यदि किसी व्यक्ति ने कैपीटल गुड्स के टैक्स राशि पर इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 के तहत डेपरीसिएशन लिया है, तो उस टैक्स राशि पर ITC नहीं मिलेगा।

(4) किसी सप्लाई के लिए इनवॉइस या डेबिट नोट के आधार पर ITC लेने की अंतिम तिथि निम्न में से जो पहले आए वह होगी -

संबंधित वित्तीय वर्ष के अंत के बाद 30 नवम्बर तक, या

संबंधित वार्षिक रिटर्न फाइल करने की तिथि तक। (Rule 37(4))

(5) वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2020-21 तक के पुराने इनवॉइस /डेबिट नोट पर यदि ITC 30 नवम्बर, 2021 तक के रिटर्न में लिया जा चुका है तो उसे स्वीकार कर लिया जायेगा।

(6) यदि किसी व्यक्ति का पंजीकरण रद्द हो गया था और बाद बाद में उसे बहाल कर कर दिया गया है, तो वह केन्सीलेशन के आदेश के दिन उपलब्ध ITC का लाभ ले सकता है, बशर्ते-

वह 30 नवम्बर तक या वार्षिक रिटर्न फाइल करने की तिथि तक (जो पहले हो) रिटर्न फाइल करे, या

यदि केन्सीलेशन के आदेश से 30 दिन के भीतर रिटर्न फाइल करे।

- चैनसुख बड़ीवाल

छात्रावास बने इसके लिए रामलाल छापरवाल ने नंगे पांव रहने का संकल्प लिया

भीलवाड़ा में कुमावत क्षत्रिय समाज का कोई सामुदायिक भवन नहीं है और न ही बच्चों के लिए कोई छात्रावास है। ग्रामीण क्षेत्रों से भीलवाड़ा शहर में आकर पढ़ रहे विद्यार्थी अधिक किराये में रहने और यत्र-तत्र भटकने को मजबूर है। इससे उनकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न होती है तथा न केवल उनके माता-पिता परेशान हैं बल्की सच्चे समाज सेवी भी दु:खी व लाचार दिखते हैं।

ऐसा नहीं की भीलवाड़ा के कुमावत समाज ने छात्रावास के लिए कोई प्रयास नहीं किये बल्की एक बार तो सरकार से भूमि भी आवंटित हो गई पर समय पर समाज पूरे पैसे जमा नहीं करा पाया तो आवंटन निरस्त हो गया। यह विडम्बना ही कि केवल पैसा इक्ट्ठा नहीं कर पाने से हम इस अवसर से चूक गये।

श्री रामलाल छापरवाल भीलवाड़ा कुमावत क्षत्रिय समाज के जुझारू समाजसेवी है। उनके छात्रावास की कमी कचोटती रहती है। उन्होंने संकल्प लिया है कि वे तब तक जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे अर्थात नंगे पांव रहेंगे जब तक कि कुमावत समाज, भीलवाड़ा के छात्रावास भवन का निर्माण प्रारम्भ नहीं हो। अब वे जहां भी जाते हैं नंगे पाव ही जाते हैं। अब भीलवाड़ा में छात्रावास भवन के लिए सभी के आर्थिक सहयोग से 6000 वर्ग फुट भूमि 52 लाख रुपये में खरीद ली गई है। पर उनका संघर्ष इस भूमि पर छात्रावास की नींव तक जारी रहेगा। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को यह जानकारी उनका इन्टरव्यू सम्पादक रमेश गेदर के द्वारा लेने पर मिली। लोग तो राजनैतिक लाभ लेने के लिए ऐसे संकल्प लेते हैं पर श्री रामलाल छापरवाल तो हमारे कुमावत समाज के छात्रावास जैसे सामाजिक कार्य के लिए ऐसा संकल्प लेकर अनुपम उदाहरण पेश कर रहे हैं। उम्मीद है इनका यह संकल्प शीघ्र पूरा होगा।

Created by Universal Document Converter

नव-ताप या नौ-तपा क्या होता है

ग्रीष्मकाल में वैसे तो भारत के अधिंकाश राज्यों में लू तथा गर्मी का जोर बना ही रहता है। अप्रेल के अंतिम सप्ताह से प्रारम्भ हुई हुई भीषण गर्मी मई तथा जून के के हो महिने अपने चरम पर होती है। इस दौरान भारत के लगभग 27 राज्यों में 45 से 50 तक तापमान बढ़ने से राज्य प्रचण्ड गर्मी की चपेट में रहते हैं मगर नौ तपा नौ दिन की वह समयावधि होती है जब गर्मी अपने चरम पर होती है। हीट, वेव या लू चल रही होती है। इस वर्ष नौ तपा की शुरुआत 25 मई से हुई है तथा 4 जून तक इसका प्रभाव रहा। अधिकांश लोगों को यह नहीं पता कि नौ तपा क्या है तथा कब से कब तक होता है। हर वर्ष सूर्य करीब 15 दिनों के लिऐ रोहिणी नक्षत्र में गोचर करता है। इन 15 दिनों के शुरुआती नौ दिन जब गर्मी का प्रभाव तीव्र होता है उन दिनों को नौ-तपा कहा जाता है। इन नौ दिनों में पृथ्वी और सूर्य बिल्कुल आमने-सामने होते है। सूर्य की किरणे पृथ्वी वर बिल्कुल सीधी पड़ती है। ये नौ दिन साल के सबसे ज्यादा तपने वाले दिन होते हैं। नौ-तपा भारतीय ज्योतिष के अनुसार बहुत जरूरी होता है। इस दौरान महासागरों से वाष्पीकरण होता है जो कि भारतवर्ष में वांछित वर्षा के लिए अत्यन्त आवश्यक है। आने वाला मानसून कैसा होगा यह नौ-तपा पर ही निर्भर करता है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान 50 डिग्री तक भी पहुंच जाता है। यदि खेती-बाडी के हिसाब से देखा जाये तो नव ताप के ये दिन बेहद खास होते है। किसानों का मानना है कि इन दिनों में जितनी गर्मी पड़ेगी बारिश उतनी ही जम कर होगी। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में नौ-तपा का प्रभाव अधिक पड़ता है अर्थात् लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ता है मगर पहाड़ी इलाके भी इसके प्रभाव से अछूते नहीं रहते। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिक तथा किसानों का यह भी मानना है कि इस भीषण गर्मी से सारे कीटाणु या नुकसानदायक व रोग फैलाने वाले कीटाणु घरती से खत्म होते है तथा हमारा शरीर आने वाले मानसून में होने वाले डी हाईड्रेशन व मानसूनी कीटाणुओं से होने वाले इन्फेक्शन से लड़ने के लिए तैयार होता है। इस प्रकार से नौ-तपा या नवताप के ये दिन हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं।

अब सवाल यह उठता है कि इस भीषण गर्मी के प्रभाव से बचने के लिए क्या करे ? इस दौरान अपने खान-पान का अत्यन्त ध्यान रखें। तेल-मसाले, प्याज-लहसुन व गर्मी प्रदान करने बाले तामसिक व गरिष्ठ भोजन से बचें। इस समय बैंगन का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिऐ। ठंडे पेय पदार्थ तथा जल का सेवन अत्यधिक मात्रा में करना चाहिऐ। शीतलता प्रदान करने वाले फल खाने चाहिए। गन्ने का रस सर्वाधिक फायदेमंद होता है। सत्तू तथा लस्सी पी सकते हैं। धूप में घर से कम से कम निकलना चाहिऐ। यदि आवश्यक हो तो घर से बहुत अधिक मात्रा में पानी पीकर निकले। सिर पर गीला सूती कपड़ा पहन कर निकलें तथा अपनी जेब में हमेशा एक प्याज रखकर ही घर से निकले ये लू से बचने में मदद करता है। जहां तक हो सकें सूती व हल्के रंग के कपड़े पहने विशेषकर काले रंग के कपडे पहनने से परहेज करें। शीतल पेय पदार्थों का दान करें। प्याऊ खोंले व पक्षियों व जानवरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। यह पुण्य का कार्य होता है।

-उर्वशी बालोदिया

ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-7

हमारे चेहरों पर मुस्कुराहट के भाव आते हैं प्रसन्नता से। यदि व्यक्ति मुस्करा रहा है तो उसके आसपास का वातावरण प्रसन्नता का ही होगा। यह उसके हावभाव, बोली और मुखमुद्रा से झलकता है। मुस्कुराहट हो या प्रसन्नता इसकी वजह हमें ढूंढनी होगी। छोटी-छोटी बातों में दिन-प्रतिदिन। जैसे सुबह-सुबह सूर्य की लालिमा में, ठण्डी-ठण्डी हवा की बहार में पक्षियों की चहचहाट में, पौधे की खिली-खिली कलियों व फूलों में, नदियों की लहरों, में टिमटिमाते तारों में। कोयल की कूं-कूं तथा मेघ को देखकर मोर की मेहा.....मेहा में। जब मन प्रसन्न होगा तो चेहरे पर मुस्कान की स्वत: अभिव्यक्ति होगी। हमें अलौकिक सुगन्ध और दिव्यता का अनोख अहसास होगा। जब चेहरे पर फुल जैसी मुस्कुराहट होगी तो जानकार व अनजान व्यक्ति भी इसके आकर्षण से प्रभावित होगा, उसमें अपनत्व का भाव जागृत होगा और संवाद सूत्र का संचार होगा। जो आगे चलकर व्यक्तिगत, पारिवारिक और व्यावसायिक रिश्तों में परिवर्तित हो सकता है। इससे पारस्परिक लाभ होना स्वाभाविक है। हमें रिश्तों में स्पष्टता, विनम्रता, सादगी, सच्चाई, निरन्तरा आदि का समावेश करना चाहिये। यह जीने की कला है, इसमें नकारात्मकता, द्वेष, स्वार्थ, लोभ जैसी बुराईयों का स्थान नहीं होता। इसलिए ऐसे व्यक्ति प्रसन्नता और मुस्कुराहट जैसे आभूषणों से अलंकृत रहते हैं और दूसरों को खुशियां बांटकर मुस्कुराहट का भाव जागृत रखते हैं।

देखे अपने बच्चों हम खिलखिलाता अपना बचपन, खेले इनके संग कुछ वक्त हम बच्चे बनकर। सच मानिये हंसी और मुस्कुराहट से भर जायेगी, उम्र पचपन भी हो तो बचपन सा आनन्द लायेगी। वक्त बिताए परिवार के संग, इनको भी हंसाए और खुद भी मुस्कुराएं। सारा दिन अखबार को ही न दें। अपनों के लिए फुर्सत निकाल साथ-साथ चाय की चुस्की भी लें। सच मानिये जिन्दगी का मजा दो गुना हो जायेगा। जिन्दगी की राह में यदि आये कोई चुनौती वह मुस्कुराहट के साथ पार हो जायेगी।

- अमिता कुमावत

Created by Universal Document Converter

चौथ का बरवाड़ा में समाज की धर्मशाला निर्माण

(पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा लिए गए साक्षात्कार का निष्कर्ष)

चौथ का वरवाड़ा, सवाईमाधोपुर में कुमावत क्षत्रिय समाज की एक सुन्दर धर्मशाला बनी हुई है। जिसे देखकर गर्व होता है। इस बारे में समिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल भौरोदिया और पूर्व अध्यक्ष श्री भंवर लाल जी कुदीवाल का साक्षात्कार लिया गया। उन्होंने बताया कि यह धर्मशाला चौथ माता के मंदिर से मात्र 500 मीटर दूरी पर है। ज्ञातव्य रहे कि बरवाड़ा गांव में जहां यह धर्मशाला है समाज के मात्र 15-20 घर ही हैं और पूरे जिले में भी मात्र 150 घर ही हैं। धर्मशाला के लिए इनका प्रयास व मेहनत सराहनीय है।

धर्मशाला भूमि 300 फिट लम्बी एवं 95 फिट चौड़ी है और चारों ओर चारदिवारी के साथ 2 कमरे एवं एक बड़ा हॉल बना हुआ है। समाज ने धर्मशाला में भोजन बनाने और खाना-खाने के लिए समुचित व्यवस्था विकसित की है। अभी 12 कमरों का निर्माण जारी है। इस अवसर पर रामगंज मण्डी के श्री **चन्दू चश्मेवालों** से भी बातचीत हुई। उन्होंने इस धर्मशाला की फर्श के लिए कोटा स्टोन की व्यवस्था रामगंज मण्डी के कोटा स्टोन के विभिन्न व्यवसायियों से कराने का अथक परिश्रम किया। उन्होंने बताया कि माताराणी के अशीर्वाद से जहां वो गये इस पुनित कार्य में सहयोग मिला और 6000 वर्ग फुट कोटा स्टोन धर्मशाला के लिए भेज दिया गया।

कुमावत प्रतिभा सम्मान समारोहः विद्यार्थियों को सम्मानित किया

जोबनेर (बाबूलाल नागा) क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति (रजि.) जोबनेर द्वारा कुमावत समाज प्रतिभा सम्मान व आमसभा का आयोजन श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल स्कूल में किया। इसमें जोबनेर नगरपालिका के वार्ड नंबर 1 से 20 के निवासरत कुमावत समाज की 10वीं व 12 वीं कक्षा में प्रतिभाओं 80 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्तांक, विभिन्न खेल प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं, शैक्षणिक क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों, समाज के विशिष्टजनों, विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के युवाओं सहित 50 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पानी की बोतल और प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। समाज समिति अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मोरवाल ने कहा कि समाज को संगठित होने होकर समाज विकास के कार्यों में समाज के लोगों की भागीदारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान भी किया गया। इस मौक पर समाज की ओर से आयोजित महासभा में कुमावत विकास, समाज में फैली कुरीतियों, समाज का हॉस्टल बनाने के लिए जमीन लेने, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रोत्साहित करने सहित समाज हित के अन्य कार्यों पर विचार किया गया।

सम्मान समारोह में समिति के संरक्षक मूलचंद धुंधारिया, अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मोरवाल, मुख्य अतिथि रामलाल कुमावत, विशिष्ट अतिथि जोधराज तुंदवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मेडीकल कैम्प एवं ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन

8 जून, 2025 को आर्टिस्ट एवं समाजसेवी श्री माधव दास बालोदिया ने अपने माता-पिता स्व. श्रीमती फूला देवी एवं स्व. श्री फूलचन्द बालोदिया की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर सेवाभारती समिति आदर्श नगर इकाई के साथ नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण तथा स्वास्थ्य चिकित्सा एवं तम्बाकू मुक्ति शिविर का आयोजन किया। साथ ही भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के साथ नि:शुल्क कैंसर जांच जागरूकता शिविर भी इस अवसर पर आयोजित करके सामाजिक कार्य किया है। इस कैम्प में जांच के दौरान मोतीयाबिन्द के 4 मरीज पाए गए जिन्हें ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, ब्लड ग्रुप जांच, दंत चिकित्सा सेवा, हिमोग्लोबिन जांच तथा एक्यूप्रेशर की व्यवस्था थी। शिविर में 290 लोगों ने लाभ उठाया तथा गर्मी को देखते हुए ठंडी छाछ पिलाने का भी सराहनीय कार्य किया गया।

श्री माधव बालोदिया प्रति वर्ष मेडिकल कैम्प का आयोजन करते हैं जिसमें अनेक लोग शिविर का लाभ उठाते हैं। इस सफल सराहनीय आयोजन के लिए श्री माधव बालोदिया को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

Created by Universal Document Converter

कक्षा 10 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

साधना कुमावत
94.33

नव्या कुमावत
93.67

कुसुमलता कुमावत
93.67

मेघना कुमावत
93.50

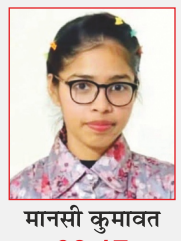
मानसी कुमावत
93.17

सीमा कुमावत
93.17

प्रिया कुमावत
93.00

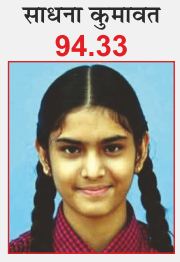
पलक कुमावत
93.00

दिव्या कुमावत
93.00

महिमा कुमावत
93.00

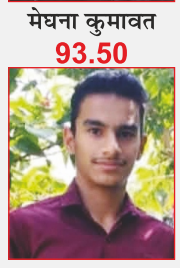
यश कुमावत
92.83

कपिल कुमावत
92.50

मुस्कान कुमावत
92.50

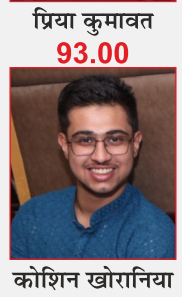
कोशिन खोरानिया
92.40

कौशल कुमावत
92.17

अनिता कुमावत
91.67

दीपक सिंघाटिया
91.67

चेतना कुमावत
91.33

कार्तिक कुमावत
91.33

तिस्या कुमावत
90.80

अंशु कुमावत
90.67

आकाश कुमावत
90.20

अभिनव कुमावत
90.00

सन्नी कुमावत
90.00

मीनाक्षी कुमावत
90.00

मनित सिरोहिया
89.83

वीजेन्द्र कुमावत
89.80

वंशिका कुमावत
89.60

रीना कुमावत
89.00

ख्याति कुमावत
88.83

राधिका, सांवेर (म.प्र.)
88.20

नीतू कुमावत
87.00

तनिषा कुमावत
87.00

मुस्कान कुमावत
86.00

चंचल कुमावत
86.00

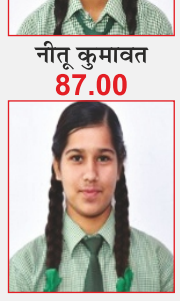
भावना कुमावत
85.33

सागर कुमावत
85.00

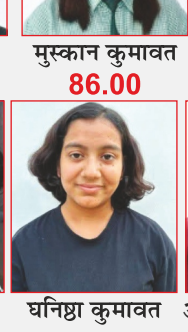
घनिष्ठा कुमावत
82.17

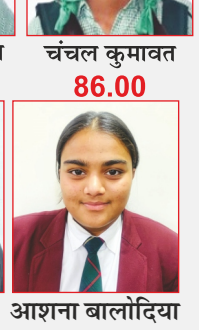
आशना बालोदिया
80.00

कक्षा 10, 12 एवं नीट में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

श्रद्धांजलि

स्व. 20.06.2014

11वीं पुण्यतिथि

28.06.2025

स्व. डॉ. देवीलाल वर्मा (हान्या)

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत :

धर्मपत्नी : श्रीमती श्यामा देवी - 99295 88490

पुत्र - पुत्रवधु : डॉ. भूपेश डी. वर्मा (व्याख्याता राज. महाविद्यालय, शिवगंज) 9829014178 - सुनीता वर्मा

धीरज वर्मा (पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस) 9929442200 - मंजू वर्मा

डॉ. नीलकमल वर्मा 9672982592 (जैनपेक्ट, जयपुर) - निशा वर्मा

पुत्री - दामाद : दीपा - सुरेन्द्र कुमावत (प्रशासनिक अधिकारी, एल.आई.सी)

भतीजे : ओमप्रकाश, मनीष, विजय कुमार, गजेन्द्र

पौत्रियाँ : ड्रीमियाँ, कोनिया, निकिता, गर्विता, दीपिता

पौत्र : लोवेश, दोहित्री : जूही

निवास : 72, एस.बी. विहार, गली नं. 5, महिमा अपार्टमेंट्स के पास, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर - 302 019

रजि. नं. 354/2018

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.)

कार्यालय पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर (राज.)

पंचवर्षीय अधिवेशन एवं चुनाव में निर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी

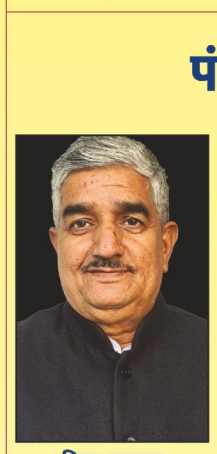

विमल कुमावत
मुख्य सलाहकार एवं उच्चाधिकार समिति, राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुरेन्द्र कुमार नागा
मुख्य संरक्षक

डॉ. जयनारायण जूनवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

रामेश्वर बम्बोरिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

रूपसिंह कारगवाल
राष्ट्रीय महामंत्री

नरेन्द्र रामलाल कुण्डलवाल
राष्ट्रीय महामंत्री

सोनिया डॉल
राष्ट्रीय महामंत्री

पूरणचन्द छापोला
सलाहकार

लक्ष्मीनारायण घोडीवाल
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

सुरेश चन्द भोरोदिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रामेश्वर कुमावत
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

नारायण प्रसाद चेजारा
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

घनश्याम सिंह होदकास्या
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

डॉ. मेघना घोडेला
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

प्रवीण बालोदिया
राष्ट्रीय मंत्री

राधाकिशन खूंखवाल
राष्ट्रीय मंत्री

सुन्दर लाल बगनीवाल
राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री

रामलाल छापरवाल
राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री

भारती तोंदवाल
राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री

महेश कारगवाल
राष्ट्रीय उद्योग मंत्री

पिंकी बधानिया
राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मंत्री

रोहिणी बड़ीवाल
राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

शिवराज ओस्तवाल
राष्ट्रीय कानून एवं सुरक्षा मंत्री

सोभागमल कुमावत
राष्ट्रीय खेल मंत्री

रामप्रसाद मेहरावंडिया
राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा एवं सम्पत्ति मंत्री

गणेश माचीवाल
राष्ट्रीय इतिहास शोध मंत्री

जीवराज सिरोहिया
राष्ट्रीय शिल्पकला एवं शोध मंत्री

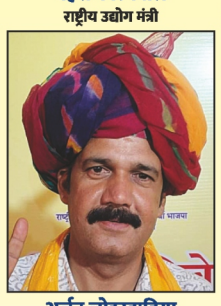

अर्जुन लोहरवाडिया
राष्ट्रीय राजनैतिक एवं चेतना मंत्री

बालू कुमावत
राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा

सरोज बडीवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा

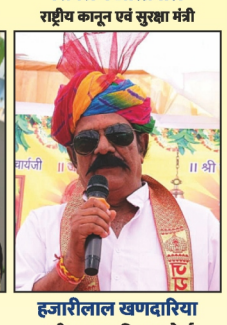

हजारीलाल खणदारिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा

ब्रजमोहन देवतवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष जनगणना प्रकोष्ठ

लोकेश संगाठिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ

डॉ. अमरचंद चौरासिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ

सोहन लाल अजमेरा
राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ

उम्मेद सिंह नांदीवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष तकनीकी प्रकोष्ठ

चन्द्रप्रकाश कुमावत
राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ

संजीव वर्मा
राष्ट्रीय महामंत्री युवा प्रकोष्ठ

किरण सैंगाठिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा

दीपा अजमेरा
राष्ट्रीय महामंत्री महिला मोर्चा

चन्द्रप्रकाश मालिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष आई.टी. सेल

डॉ. ओमप्रकाश मांडेला
राष्ट्रीय महामंत्री अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ

मनोहर नरानिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष हस्तशिल्प कला प्रकोष्ठ

हेमन्त छापोला
प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा

विनोद कारगवाल
प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य : रामावतार अनावडिया (झोटवाड़ा), मंजू करोडीवाल (विद्याधर नगर), बाबूलाल माचीवाल (विद्याधर नगर), नन्दलाल गढ़वाल (विद्याधर नगर), पृथ्वीराज कैक्ट्या (किशनपोल), गणेश नारायण (सिविल लाइन), जगदीश नारायण, वीरम कुमावत (फुलेरा), राजेन्द्र कुमार राजोरा (थावास), अशोक कुमार कुमावत (कोटपूतली), हेमचन्द देवतवाल (अजमेर), बिरदी चन्द कुमावत (अजमेर), मानसिंह (भरतपुर), सांवरलाल (भीलवाड़ा), योगेश गोठवाल (चित्तौड़गढ़), भंवरलाल (सवाई माधोपुर), सीताराम तोंदवाल (झुंझुनूं), हीरालाल बालोदिया (पाली), मदन उदयवाल (निवाई) (टोंक), सुवालाल कुमावत (मालपुरा), योगेश्वर सिंह कुमावत (उदयपुर), दामोदर नरानिया (उदयपुर), रामजीलाल पीपलोदा (इंदौर), जय बात्रा (मंदसौर), शंकर लाल कुदाल (इंदौर), विनोद नरानिया (मंदसौर), कल्पना कुमावत (हैदराबाद), मनीष कुमार कुमावत (हरियाणा), चिरंजीलाल कुमावत (हरियाणा), सोहनपाल सिंह (उ.प्र.), महेन्द्र राजपूत (उ.प्र.), बाबूलाल कुण्डलवाल (गोआ एवं दमन ड्यू), ओमप्रकाश चेजारा (दिल्ली), संतोष श्याम राव (नासिक), दशरथ गंगाधर कुमावत (सटाणा, नासिक), संजय भागवत परदेशी (सटाणा, नासिक), कैलाश विश्वनाथ कुमावत (पांचौरा, जलगांव), आकाश कडुबा कुमावत (जामनेर, जलगांव), चम्पालाल ईश्वर लाल देवतवाल (महाराष्ट्र), सुन्दर लाल शिवलाल बगिनवाल (जालना), दल्लाजय जगन्नाथ कुमावत (महाराष्ट्र), विकास मच्छिंद्र परदेशी (बीड, महाराष्ट्र), सुभाष हीरालाल कमेकर (महाराष्ट्र), भटेश्वर युवराज कुमावत (महाराष्ट्र), नामदेव वामन कुमावत (महाराष्ट्र), संजय मोहन कुमावत (महाराष्ट्र), आप्पा साहेब बहिरू (नारोले, महाराष्ट्र), मोहन वेडू कुमावत (महाराष्ट्र), बसन्त सुखदेव कुमावत (महाराष्ट्र), राजेन्द्र प्रभाकर नायक (महाराष्ट्र), अविनाश अनन्तराव (महाराष्ट्र), दिलीप बाबूलाल मलिय (महाराष्ट्र), घनश्याम बालचन्द्र कुदीवाल (महाराष्ट्र), विट्ठल सिंह गोविन्द सिंह कुण्डलवाल (महाराष्ट्र), नरेन्द्र रामलाल कुण्डलवाल (महाराष्ट्र), श्रीराम गोपीनाथ परदेशी (महाराष्ट्र), दीपक रतन लाल घोडेला (महाराष्ट्र)।

8 जून, 2025 को पुष्कर में निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु : श्रीकान्त परदेशी तुसे, अमरचन्द कुदीवाल, जगदीश घासोलिया, युगलकिशोर जलान्धरा, मदन खोवाल, सीताराम काकर, ओमप्रकाश कैकटिया, गोपाल सिंह खोवाल, सत्यनारायण मारवाल, भंवर बबेरीवाल, परशुराम स्वामी, नागेन्द्र नरानिया, उमेश चंद कुमावत, कमल सिंह कुमावत, विष्णु खोरानिया, राधेश्याम बधानिया, रामगोपाल घोडेला, रजनी सिरोहिया, सावित्री सोखल, ओमप्रकाश बड़ीवाल, रामरतन खण्डारिया, दीपक खोरानिया, रामकरण भोरोदिया, योगेश खाटवाल, कन्हैयालाल देवतवाल, गोपाल धनारिया, जगदीश पेंटर, प्रेम कुमार कुमावत (चिट्टू), प्रभुलाल तुनगरिया, अम्बालाल कुमावत, भंवर करोडीवाल, सुरेश अनावडिया, श्रवण बसवाल, हीरालाल चंदवाजी, ओमप्रकाश नरानिया, ज्योति नरानिया, मुन्नालाल बगरानिया, महेश कुदीवाल, कौशल देवी, निर्मल देवतवाल, शंकरलाल कुल्वानिया, कल्याण सहाय कुल्वानिया, गोपाल करोडीवाल, राधेश्याम राजोरिया, प्रतीक दम्बीवाल, प्रहलाद मारवाल, एस.एन. वर्मा, उषा कुमावत, शालू कुमावत, मुकेश भौरोदिया, नाथू जी चंदेरिया, मुकेश खूंखवाल, छीतर उदयवाल, विष्णु दौराया, मोहनलाल कुमावत, लल्लूलाल सारडीवाल, कैलाश कुमावत, द्वारिका लाल, बाबूलाल गढ़वाल, चेतन बालोदिया, सुनीता नांदीवाल, रामगोपाल सोकिल, हरीश नागर, भंवरलाल भासौदा, ओंकार कुचेरिया, गिरधारी लाल गोयला, चिरंजीलाल नागा, विजय गोठवाल, तारा कैकटिया, डॉ. मदन लाल तोंदवाल, जगदीश मोरवाल, दौलत कण्डेरीवाल, पूरण चन्द मामोडिया, श्रीमती शारदा कुमावत, रोहित कुमावत, दूलीचन्द छापोला, रामेश्वर दम्बीवाल, जगदीश बम्बोरिया, रामचन्द दम्बीवाल, सत्यनारायण नेमीवाल।

वैवाहिक

Dr. Rishika Kumawat (Rubal)

Date of Birth	:	15.02.1998
Place of Birth	:	Jaipur (Raj.)
Height	:	5'5"
Colour	:	Fair
Education	:	MBBS (2023) Pursuing PG (Pediatrics)
Father	:	Suresh Kumar Kumawat
Mother	:	Smt. Rekha Kumawat
Siblings		
Younger Sister	:	Anshika Kumawat, Pursuing MBBS
Gotra	:	**Self :-** Kirodiwal **Mother :-** Jethiwal **Dadi :-** Ghodela **Nani :-** Dambiwal
Mobile No	:	9413601979, 9460163760
Residence	:	Kasturba Nagar, Jaipur (Raj.)

वैवाहिक

NIKHIL SAINGATHIA

Date of Birth	:	09.12.1996
Height	:	5'7.5"
Education	:	BBA LLB (Hons.) Amity University And LLM (Corporate Laws)-JNU.
Profession	:	Advocate, Rajasthan High Court (Currently preparing for Raj. Judicial Service)
Father's Name	:	LOKESH KUMAWAT Adm.Officer RSRDC Ltd.Posted Ajmer
Mother's Name	:	KIRAN KUMAWAT School Owner ShriTilakBalMandir
Elder Brother	:	Rahul Saingathia IT Professional
Gotra	:	**Self:** Saingathia **Mother:** Karodiwal **Dadi:** Jalandhra **Nani:** Kelhugariya
Resi. Address	:	Gandhi Path(West), Vaishali Nagar, Jaipur.
Parental House	:	Khejron Ka Rasta, Jaipur.
Contact Details	:	9929840312 (Mother) 9828019491 (Father)

श्री रामदेवाय नमः

स्व. श्री प्रेमचद गेदर

स्व. श्रीमती प्रेम देवी

श्री पवन गेदर-श्रीमती नीतू गेदर (उपाध्यक्ष, कु.क्ष. विकास समिति, बरकत नगर) **निवासी** 26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर के सौजन्य से नव निर्मित श्री रामदेव मंदिर, विनोबा बस्ती, बरकत नगर, जयपुर में "श्री रामदेव जी महाराज" की प्रमुख मूर्तियों की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कराने पर **हार्दिक आभार।**

आभारकर्ता श्रीमती रेणु-योगेन्द्र खड़गटा, श्रीमती मिनाक्षी-नन्द कुमार घोड़ेला (बहन-बहनोई), श्रीमती अंकिता-वीजेन्द्र जी, तानिया-अंकुर जी (भांजी-भांजी दामाद), साहिल-मोना खड़गटा, हर्षित-मेघा घोड़ेला, तुषार-प्रियल घोड़ेला (भांजा-भांजा बहु), तरूश्री, कनिष्क गेदर (पुत्री-पुत्र), हेविशा, विहान, हियान, अव्यान (दोहित्र)

मो. 92141 81398, 8949602863

झूलों से दूर होता सावन : बदलती परंपराएं, बिखरती विरासत

सावन-मानसून का सबसे सुंदर और रोमांटिक महीना। जब आकाश में बादलों का जमघट होता है, धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है और हवाओं में माटी की सौंधी खुशबू तैरने लगती है। यह सिर्फ ऋतु नहीं, बल्कि भावनाओं, स्मृतियों और लोकसंस्कृति की वह संपूर्ण अनुभूति है जो गांवों के पीपल और नीम के पेड़ों पर पड़े झूलों, गलियों में गूंजती कजरी और महिलाओं के लोकगीतों के साथ जीवंत हो उठती है।

जब हम 'सावन' की बात करते हैं, तो अनायास ही मन में बचपन की स्मृतियां कुलांचे भरने लगती हैं। वह दिन जब स्कूल से छुट्टी मिलते ही हम झोला फेंककर दौड़ पड़ते थे बाग-बगियों की ओर। मोहल्ले की चाचियां, मम्मियां और दादियां घर की पुरानी साड़ियों से झूले की रस्सी बनाती थीं। पेड़ों पर झूले डाले जाते, और बच्चों की कतार लग जाती- 'मुझे पहले बैठना है!', 'अब मेरी बारी!' की शोरगुल में सावन के झूले, झूमने लगते। **बचपन का वह सादा, निश्छल समय जब वर्षा की पहली फुहारों में भीगना, मिट्टी में खेलना, कागज़ की नावें बहाना और बादलों की गड़गड़ाहट पर चिल्ला-चिल्लाकर हँसना- यह सब जैसे सावन की आत्मा बनकर हमारे भीतर बस गया है।**

सावन के साथ-साथ हमारे लोकगीतों की परंपरा भी एक बार फिर जीवंत हो उठती थी। कजरी गीतों की मिठास से गांव की गलियां और चौपालें गूंज उठती थीं। **'बरसों रिमझिम गिरे फुहार, सखी सैंया आये ना...'** जैसे गीत सावन के इंतज़ार, प्रेम और विरह को एक मधुर सुर में ढाल देते। ये गीत न केवल मनोरंजन थे, बल्कि उस सामूहिक संस्कृति का हिस्सा थे, जिसमें हर उम्र की स्त्रियाँ अपनी भावनाओं को शब्द देती थीं। महिलाएं समूह बनाकर पीहर आने की खुशी, सजन से बिछोह की पीड़ा और हरियाली के उत्सव को कजरी, झूला और सोहर में ढालकर गाया करतीं। वह स्वर सिर्फ गानों तक सीमित नहीं रहते थे, बल्कि हर दिल में एक छाप छोड़ जाते थे।

सावन... एक ऐसा महीना जो बरसात की फुहारों के साथ जीवन में उल्लास, प्रेम और सौंदर्य की अनुभूति कराता था। कभी यह माह सिर्फ वर्षा ऋतु का प्रतीक नहीं था, बल्कि **लोकजीवन का सांस्कृतिक उत्सव भी था।** हरे-भरे वृक्षों की डालियों पर डाले गए झूले, हंसी-ठिठोली करती युवतियां, कजरी और मल्हार गाती बालिकाएं, और मेंहदी रचाते हाथ... यह दृश्य सावन के साथ गहराई से जुड़ा हुआ था। मगर आज, जब हम चारों ओर नजर दौड़ाते हैं, तो सावन के झूले कहीं दिखाई नहीं देते। न वो हरियाली, न वो छांव, न वो गीत... आखिर कहां खो गया वो भावनाओं से भरा सावन?

समय बदला है। आज न वैसी बाग-बगीचियां रही हैं, न पेड़ों पर झूलते रंग-बिरंगे झूले। न वैसी आवाजें सुनाई देती हैं, न ही वैसा सामूहिक उल्लास। मोबाइल और डिजिटल दुनिया ने जैसे लोक संस्कृति को एक कोने में सहेज दिया है। आज झूला झूलने की परंपरा लगभग लुप्त हो चुकी है। इसका एक बड़ा कारण शहरीकरण की होड़ में वृक्षों की कटाई और हरियाली का विनाश है। जनसंख्या घनत्व में हुई तीव्र वृद्धि ने खुले मैदानों, बाग-बगीचों और खेल स्थलों को बहुमंजिला इमारतों में तब्दील कर दिया है। जिन पेड़ों की मजबूत शाखाएं कभी झूले की डोर थामा करती थीं, वे अब गुम हैं। अब घरों की छतों या बालकनी में रखे लोहे के कृत्रिम झूलों से ही मन बहलाया जाता है, जिसमें वह सौंदर्य और आत्मीयता नहीं मिलती जो प्रकृति के संग झूलने में हुआ करती थी।

बुद्धिजीवी वर्ग मानता है कि मोबाइल, टीवी, इंटरनेट जैसे आधुनिक साधनों ने लोगों को घरों में सीमित कर दिया है। बारिश अब खिड़की से देखने की चीज़ बन गई है, न कि भीगकर, झूमकर उसका आनंद लेने की। **सावन की पहचान कभी मेल-मिलाप, उत्सव और नृत्य-गान से थी,** लेकिन अब यह सब सोशल मीडिया की पोस्ट और तस्वीरों तक सिमट गया है। वर्षा ऋतु की रोमांचक विशेषताएं अब किताबों में वर्णित रह गई हैं, जीवन से लगभग ओझल हो चुकी हैं।

पहले गांव की संस्कृति सामूहिकता और समरसता की परिचायक थी। हर बहन-बेटी को पूरा गांव स्नेह से देखता था। मगर आज बढ़ती आपसी वैमनस्यता, अविश्वास और सामाजिक विघटन ने उस आत्मीय भाव को नष्ट कर दिया है। जिस भाई के हाथों में राखी बांधी जाती थी, उसी से भय सताने लगा है। ऐसे परिवर्तनों ने न केवल सामाजिक विश्वास को डगमगाया, बल्कि झूला झूलने जैसी सामूहिक गतिविधियों को भी समाप्त कर दिया।

संयुक्त परिवारों में जब सावन आता था तो घर-आंगन में गूंजते थे बच्चों के ठहाके, बहनों के गीत और दादी-नानी की कहानियाँ। लेकिन अब एकल परिवारों के चलन ने सामाजिक संबंधों को सीमित कर दिया है। त्योहार भी अब व्यक्तिगत बनकर रह गए हैं। महिलाओं ने सामूहिकता को बनाए रखने की कोशिश करते हुए सामुदायिक केंद्रों का सहारा लिया है, पर वह आत्मीयता कहां?

सावन का श्रृंगार- हरी चूड़ियां, लहरिये, बंधेज की साड़ी, माथे की बिंदी और झूले पर झूलती कन्याएं- अब दुर्लभ दृश्य हैं। पारंपरिक पहनावे को आधुनिक फैशन ने बदल दिया है। अब त्योहार सिर्फ एक 'फोटो अवसर' बनकर रह गया है। मन से नहीं, बस रस्म अदायगी के लिए ही बाग-बगीचों में जाना हो रहा है। आज का सावन धार्मिक अनुष्ठानों में तो जीवित है, पर लोक परंपराओं में वह दम तोड़ चुका है। मंदिरों में कांवड़ यात्रा, शिवलिंग का जलाभिषेक और व्रत-पूजन बढ़े हैं, लेकिन प्रकृति के संग जीने की जो संस्कृति थी-वह लुप्तप्राय हो गई है।

सावन केवल मौसम नहीं था, वह जीवनशैली थी। वह हरे रंग की सौगात थी जो रिश्तों को गाढ़ा करती थी, वह झूले की लय थी जो मन को बहलाती थी। आधुनिकता ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन साथ ही वह प्रकृति और लोक परंपराओं को हमसे छीन भी रही है। अब जरूरत है इस सांस्कृतिक धरोहर को संजोने की, नये रूप में लेकिन पुराने आत्मविवेक के साथ। ताकि अगली पीढ़ी सिर्फ किताबों में नहीं, जीवन में भी सावन के झूले झूल सके। **-निकिता वर्मा,** दमन

Created by Universal Document Converter

गुरु पूर्णिमा: गुरु को सम्मानित करने की परंपरा का पर्व

गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णुर गुरुर देवो महेश्वरः
गुरुः साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः

गुरु पूर्णिमा हिन्दू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पावन पर्व है, जिसे आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को पूरे भारतवर्ष में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह दिन गुरु और शिष्य के पवित्र, निस्वार्थ रिश्ते को समर्पित है, जो ज्ञान, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। गुरु हमें रास्ता दिखाता है। हमें गुरु के बताए मार्ग पर श्रद्धा एवं विश्वास से आगे बढ़ना चाहिए। जिन्हें अपने गुरु पर भरोसा होता है वे अपनी सम्पूर्ण शक्ति एवं मनोयोग से उस मार्ग पर चल पड़ते हैं। गुरु के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति के कारण समस्त प्रकृति एवं सृष्टी उस शिष्य की सभी बाधाओं को दूर कर देती हैं। इससे वह शिष्य काम, क्रोध, मोह, मद, दम्भ, दुर्भाव, द्वेष आदि दुर्गुणों से दूर हो जाता है। शास्त्र अध्ययन से जो बोध नहीं हो पाता वह गुरु सेवा एवं गुरु कृपा से सहज प्राप्त हो जाता है।

गुरु का अर्थ और स्थान : भारतीय संस्कृति में 'गुरु' शब्द का अर्थ बहुत गहरा है। यह दो संस्कृत शब्दों 'गु' और 'रु' से मिलकर बना है, जहाँ 'गु' का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है प्रकाश (ज्ञान)। इस प्रकार, गुरु वह व्यक्ति है जो हमें अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। प्राचीन काल से ही गुरु को ईश्वर से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। गुरु ही हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं, हमें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते हैं, और हमें आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर करते हैं। गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति असंभव मानी जाती है।

गुरु पूर्णिमा का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व : गुरु पूर्णिमा मुख्य रूप से महर्षि वेदव्यास के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। महर्षि वेदव्यास को जगत का प्रथम गुरु माना जाता है, क्योंकि उन्होंने चारों वेदों को व्यवस्थित किया, महाभारत जैसे महाकाव्य, अठारह पुराणों और ब्रह्मसूत्र की रचना की। उनके इस महान योगदान के कारण ही यह दिन गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।

गुरु पूर्णिमा भगवान शिव के सम्मान में भी मनाई जाती है, जिन्हें हिंदू धर्म में पहला गुरु (शिक्षक) माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपनी आँखें खोली और आध्यात्मिक रूप से जागृत ऋषियों को ज्ञान और बुद्धि प्रदान की। यह कहानी तब से पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है।

गुरु पूर्णिमा का बौद्ध धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन धर्म के संस्थापक बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपने पांच शिष्यों को सारनाथ में चार आर्य सत्यों का अपना पहला उपदेश दिया था। बौद्ध इसे **धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस** के रूप में मनाते हैं। इस दिन, बौद्ध बुद्ध की बुद्धिमत्ता का सम्मान करते हैं, उनकी शिक्षाओं पर फिर से विचार करते हैं, और आध्यात्मिक जागृति की ओर उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए अपने समर्पण को नवीनीकृत करते हैं।

जैन धर्मावलंबी 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के सम्मान में गुरु पूर्णिमा मनाते हैं। मानना है कि महावीर ने इसी दिन गौतम स्वामी को अपना पहला शिष्य स्वीकार किया था। इस घटना ने जैन परंपरा में गुरु-शिष्य संबंध की शुरुआत को चिह्नित किया, जो आध्यात्मिक ज्ञान और मार्गदर्शन के हस्तांतरण का प्रतीक है।

गुरु पूर्णिमा का संदेश : गुरु पूर्णिमा हमें अनेक महत्वपूर्ण संदेश देती है:

1. **कृतज्ञता और सम्मान:** यह पर्व हमें उन सभी गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने हमें किसी न किसी रूप में ज्ञान दिया है। यह हमारे माता-पिता, शिक्षक, आध्यात्मिक गुरु या कोई भी ऐसा व्यक्ति हो सकता है, जिसने हमें जीवन में सही दिशा दिखाई हो।

2. ज्ञान का महत्व: गुरु पूर्णिमा हमें ज्ञान की महत्ता और उसके बिना जीवन की अधूरी कल्पना को समझने में मदद करती है। यह हमें सतत ज्ञान अर्जन के लिए प्रेरित करती है।

3. आत्म-चिंतन: इस दिन हमें अपने जीवन में गुरुओं के योगदान और उनकी शिक्षाओं पर चिंतन करना चाहिए और उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

4. सात्विक जीवन: गुरु पूर्णिमा हमें सात्विक जीवन जीने, दान-पुण्य करने और आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है। इस दिन स्नान, ध्यान, पूजा-पाठ और गुरुओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेना शुभ माना जाता है।

कुछ प्रमुख गुरुओं के संदेश : भारत की भूमि हमेशा से महान गुरुओं की जन्मभूमि रही है, जिन्होंने अपने ज्ञान और शिक्षाओं से लाखों लोगों के जीवन को प्रकाशित किया है। कुछ प्रमुख गुरु और उनके संदेश इस प्रकार हैं:

■ **स्वामी विवेकानंद:** रामकृष्ण परमहंस के शिष्य, स्वामी विवेकानंद ने वेदांत और योग के दर्शन को पश्चिमी दुनिया में लोकप्रिय बनाया। उनका सबसे प्रसिद्ध संदेश था, ''उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।'' उन्होंने निस्वार्थ सेवा और मानवमात्र की सेवा को ईश्वर की सर्वोत्तम उपासना बताया। उनका मानना था कि सभी धर्म एक ही सत्य की ओर ले जाते हैं।

■ **आदि शंकराचार्य :** अद्वैत वेदांत के महान प्रतिपादक, आदि शंकराचार्य ने 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापरः'

Created by Universal Document Converter

का संदेश दिया, जिसका अर्थ है ''ब्रह्म ही सत्य है, जगत मिथ्या है, जीव ब्रह्म ही है, कोई दूसरा नहीं।'' उन्होंने आत्मज्ञान और मोक्ष के मार्ग पर जोर दिया और भारत के चारों कोनों में चार मठों की स्थापना की।

■ **गुरु नानक देव :** ''सच्चा योगी वही है जो संसार में रहते हुए भी कमल के फूल की तरह निर्मल रहे। घर-बार छोड़कर भागना सच्चा वैराग्य नहीं है। मन को वश में करना और नाम जपना ही सच्चा योग है। मेहनत से कमाओ और बांटकर खाओ, यही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।''

■ **कबीर:**

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।

कबीर कहते हैं कि व्यक्ति का बड़ा होना व्यर्थ है, यदि वह दूसरों के लिए लाभकारी नहीं है। जैसे खजूर का पेड़, जो ऊंचा तो बहुत होता है, लेकिन छाया नहीं देता और फल भी दूर लगते हैं।

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहुरी करोगे कब।।

कबीर कहते हैं कि कल का काम आज ही कर लो और आज का काम अभी कर लो। क्योंकि समय कभी नहीं रुकता और एक दिन सब कुछ खत्म हो जाएगा।

■ **संत एकनाथ** का कहना है कि गुरु का ध्यान करने से चित चिद्रूप हो जाता है, काया ब्रह्मभूत हो जाती है और आत्मा ब्रह्मानन्द से आह्लादित हो उठती है।

■ **श्री श्री रविशंकर:** आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक, श्री श्री रविशंकर तनावमुक्त जीवन और सामाजिक सद्भाव पर जोर देते हैं। उनके संदेशों में ध्यान, श्वास क्रियाएं (जैसे सुदर्शन क्रिया) और सेवा के माध्यम से आंतरिक शांति प्राप्त करना शामिल है। वे कहते हैं, **''खुशी बिना किसी कारण के होनी चाहिए, और शांति बिना किसी सीमा के होनी चाहिए।''**

■ **सद्गुरु जग्गी वासुदेव:** ईशा फाउंडेशन के संस्थापक, सद्गुरु आधुनिक युग के एक प्रमुख आध्यात्मिक गुरु हैं। वे 'इनर इंजीनियरिंग' (आंतरिक अभियांत्रिकी) के माध्यम से आत्म-परिवर्तन और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनका संदेश है कि **''आप जहां भी हों, जो भी करें, बस जागरूक रहें।''** वे पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए भी काम करते हैं।

इन गुरुओं ने अपने जीवन और शिक्षाओं से यह दर्शाया कि गुरु का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि शिष्य को जीवन का सही अर्थ समझाना, उसे चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देना और उसे आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाना है। गुरु पूर्णिमा हमें इन सभी महान गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके शाश्वत संदेशों को अपने जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करती है। गुरु पूर्णिमा का उत्सव समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। यह हमें अपने जीवन में गुरुओं के महत्व के बारे में अधिक जागरूक बनाता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन लोग अपने शिक्षकों को उपहार देकर और उनसे सीखी गई सभी बातों के लिए आभार व्यक्त करते हैं। यह वह समय भी है जब विभिन्न विषयों के छात्र अपने शिक्षकों से आशीर्वाद लेते हैं और सीखने के लिए खुद को समर्पित करते हैं।

सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार॥

ज्ञान के आलोक से संपन्न सदुरु की महिमा असीमित है। उन्होंने जो उपकार किया है वह भी असीम है। उसने अपार शक्ति संपन्न ज्ञानचक्षु का उद्घाटन कर दिया जिससे परम तत्त्व का साक्षात्कार कर सका। ईश्वरीय आलोक को दृश्य बनाने का श्रेय महान गुरु को ही है।

- रमेश गैदर

गुरु - मिलन

मानव जीवन मिलना सौभाग्य की बात है और सच्चा गुरु मिलना परम् सौभाग्य की। भगवान की असीम कृपा और पूर्व जन्म के शुभ संस्कार जब उदय होते हैं, तब कहीं जाकर सच्चे गुरु मिलते हैं। जब किसी के मन में सच्ची तड़प होती है और वो गुरु को पाने के लिए संसार के किसी भी कोने में जाने को तैयार होता है, तो उसे उसके गुरु सहज ही मिल जाते हैं। बस तड़प और प्यास सच्ची होनी चाहिए। कई बार शिष्य गुरु को ढूंढता है, तो कई बार गुरु भी शिष्य को ढूंढ़ता हुआ आ जाता है। वो कई जन्मों से अपने शिष्य पर नजर रखे हुए होता है। जैसे चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को ढूंढ़ा, श्री युक्तेश्वर जी ने महान योगी योगानन्द को खोज निकाला। पर आदमी हमेशा ही यह सोचता है कि गुरु किसी खास वेष में आएंगे, चमत्कार दिखाएंगे, कुछ विशेष प्रकार का पहनावा होगा उनका। वे ऐसी कण्ठी-माला पहने हुए होने चाहिए, ऐसा तिलक लगाने वाले होने चाहिए। लेकिन सच्चे गुरु हमेशा ही बड़े साधारण, सहज और सरल-तरल होते हैं। वे हमेशा ही छिपते हैं और छपने से बचते हैं। उनके जीते जी बहुत थोड़े से लोग ही उन्हे जान पाते हैं। कृष्ण को कितने लोग जान पाए थे, भीष्म, विदुर और बाद में अर्जुन। हम लोगों को मुर्दा पूजने की आदत है। उनके नहीं रहने पर उनकी मूर्ति को माला पहनाएंगे, उनके नाम पर बड़े बड़े आयोजन करेंगे, लेकिन उनके जीते जी उनको मान नही दे पाते। फ्रांस के महान दार्शनिक और गुरु वाल्टेयर के मरने के पच्चीस वर्ष बाद उनके विचारों के प्रभाव से फ्रांस की महान क्रान्ति हुई। स्वामी विवेकानन्द को उनका भाई ढोंगी कहता था। माँ को पहला गुरु बताया गया है, क्योंकि बचपन में वही हमें शिष्टाचार, शौचाचार, सभ्याचार, लोकाचार आदि सिखाती है। फिर दूसरा गुरु पिता होता है, जो हमें सुरक्षा देता है, हिम्मत देता है, दुनियादारी सिखाता है।

- ललित अकिंचन

Created by Universal Document Converter

गुरु पूर्णिमा -जीवन में प्रकाश भरते वो दीपक

''गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय ?
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।''

जब संत कबीरदास ने ये अमूल्य वचन कहे थे, तब शायद उन्होंने हर उस इंसान की बात की थी जो किसी के जीवन में अंधकार से प्रकाश लाने का कार्य करता है — वो जो पथ प्रदर्शक है, मार्गदर्शक है, आलोक का स्रोत है। वही है-गुरु।

गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि समर्पण का उत्सव है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि हम चाहे कितने भी ऊँचे क्यों न हो जाएँ, मूल को नहीं भूलना चाहिए — और उस मूल में सबसे ऊपर होता है गुरु का स्थान।

गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं होता : आजकल जब 'गुरु' शब्द बोला जाता है तो कुछ लोग केवल स्कूल या कॉलेज के अध्यापक की कल्पना करते हैं। पर असल में, गुरु वो होता है जो अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाए। वो मां हो सकती है जिसने पहली बार बोलना सिखाया, वो पिता हो सकते हैं जिन्होंने गिरकर उठना सिखाया, वो मित्र हो सकता है जिसने जीवन की सच्चाई समझाई, यहाँ तक कि कोई विपत्ति भी जीवन की गुरु बन सकती है। गुरु का कोई एक रूप नहीं होता — वो अनुभव है, एहसास है, और जीवन का सबसे गहरा रिश्ता है।

क्यों मनाई जाती है गुरु पूर्णिमा ? : प्राचीन काल से, आषाढ़ माह की पूर्णिमा को 'गुरु पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। माना जाता है कि महर्षि वेदव्यास, जिन्होंने महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की, इसी दिन जन्मे थे। उन्होंने वेदों का विभाजन किया, उन्हें व्यवस्थित किया — इसलिए उन्हें आदि गुरु माना जाता है।

इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, भक्ति और आभार व्यक्त करते हैं। भारत के ऋषि परंपरा में, ये दिन हमेशा से ज्ञान और आत्मबोध का प्रतीक रहा है।

आधुनिक जीवन में गुरु की भूमिका : आज जब हम डिजिटल युग में हैं, ज्ञान हर जगह है — लेकिन ज्ञान को पहचानने के लिए गुरु आज भी उतना ही जरूरी है।

जब रास्ते उलझ जाएँ, गुरु मार्गदर्शन देता है।
जब आत्मविश्वास डगमगाए, गुरु सहारा देता है।
जब सफलता सिर चढ़ जाए, गुरु विनम्रता सिखाता है।
जब हार हिम्मत तोड़ दे, गुरु दोबारा खड़ा होना सिखाता है।

गुरु केवल पढ़ाता नहीं है, वो जीवन को संवारता है, गढ़ता है, और दिशा देता है।

गुरु के बिना जीवन अधूरा है : हम अपने जीवन में जिस ऊँचाई तक भी पहुँचें, अगर हमारी जड़ों में गुरु की शिक्षा नहीं है, तो वो ऊँचाई खोखली है। गुरु एक ऐसा दीपक है जो खुद जलता है — ताकि हम अंधेरे से बाहर आ सकें। इसलिए, गुरु पूर्णिमा के दिन केवल माला चढ़ा देना ही नहीं, बल्कि उनके आशीर्वाद को अपने कर्मों से सार्थक बनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

नमन उन सभी गुरुओं को-

जो शब्दों से नहीं, व्यवहार से सिखाते हैं।
जो डांटते भी हैं, मगर हर डांट में स्नेह होता है।
जो खुद प्यासे रहकर भी हमें ज्ञान की गंगा पिलाते हैं।
जो खुद अंधेरे में रहकर भी, हमारे जीवन को रोशन करते हैं।

अंत में : गुरु पूर्णिमा केवल एक दिन नहीं — यह एक जीवन दर्शन है। अगर जीवन में कोई एक ऐसा रिश्ता है, जो ईश्वर से जोड़ता है, तो वो है गुरु का। इस पावन अवसर पर, हर शिष्य को एक वचन देना चाहिए कि वह अपने गुरु की शिक्षाओं को केवल स्मृति में नहीं, आचरण में उतारेगा। आज जब हम इस दिन को मनाएं, तो केवल औपचारिकता न निभाएं बल्कि वास्तव में अपने जीवन के गुरुओं को पहचानें, सम्मान दें।

''गुरु बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान बिना सम्मान नहीं,
जीवन में गुरु का होना ही असली वरदान है।''

गुरु को कोटि-कोटि प्रणाम।
जय गुरु देव।

सीमा कुमावत (मार

मातृत्व दिवस पर एक विशेष पहल

लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (लिफ्ट)एवं मेट्रो मास हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में मातृत्व और करुणा को समर्पित एक परिंडा मां के नाम व भारत पाक युद्ध की स्थिति को देखते हुए राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार ब्लड बैंकों में रक्त व दवाइयां की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विशाल रक्तदान शिविर व निशुल्क मैडिकल कैंप का सफल आयोजन होटल कल्याण बैंक्विट और गार्डन मानसरोवर में रखा गया। मेट्रो मास हॉस्पिटल की टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (OBC) चंपा लाल गैदर, पूर्व प्रदेश सह संयोजक सुनील कुमावत रहे । इस अवसर सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील गहलोत, प्रदेश महामंत्री महेंद्र पंवार और सुनील यादव, गुड्डू सैनी, सूरज खटाना, मोनू साहू प्रदेश और जिला ओबीसी मोर्चा टीम, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मदन प्रजापत , भांकरोटा मंडल अध्यक्ष अनिल चौधरी, वीरेश माथुर, सुशील शर्मा पीरनगर,संदीप शर्मा, बंटी मित्तल, अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता दीपक शर्मा, पवन नटराज चेयरमैन सफाई कमेटी, पार्षद मुकेश काका वार्ड 71 उपस्थित रहे। रक्तदान कर मानव सेवा में अपनी भूमिका निभाई। लिफ्ट के संस्थापक अध्यक्ष संजीव वर्मा ने रक्तवीरों और अतिथियों का सम्मान और आभार प्रकट किया।

Created by Universal Document Converter

बुखार (Fever) से संबंधित सामान्य जानकारी

बुखार आने का तात्पर्य शरीर के तापमान का सामान्य से अधिक हो जाना है। यह आमतौर पर किसी अंतर्निहित बीमारी, संक्रमण या सूजन (शोथ)की प्रतिक्रिया होती है। यह एक बीमारी नहीं है, बल्कि एक लक्षण है कि शरीर किसी चीज़ से लड़ रहा है।

बुखार के सामान्य कारण:

संक्रमण: यह बुखार का सबसे आम कारण है। इनमें वायरल संक्रमण (जैसे सर्दी, जुकाम ,फ्लू, खसरा, (चिकनपॉक्स) और जीवाणु संक्रमण (जैसे गले में खराश, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, निमोनिया) इत्यादि शामिल हैं।

सूजन संबंधी रोग: (Rheumatic disorders)जैसे ल्यूपस, क्रोहन रोग (Chrohns disease) जैसे कुछ ऑटोइम्यून या सूजन संबंधी विकार भी बुखार का कारण बन सकते हैं।

दवाएं: कुछ दवाएं, जैसे एंटीबायोटिक्स या उच्च रक्तचाप की दवाएं, का साइडइफेक्ट बुखार हो सकता हैं।

टीकाकरण: कुछ टीकों के बाद हल्का बुखार आना सामान्य है।

हीट स्ट्रोक: गंभीर गर्मी में रहने या अत्यधिक शारीरिक गतिविधि के कारण शरीर का तापमान बहुत अधिक बढ़ सकता है।

कुछ कैंसर: दुर्लभ मामलों में, कुछ प्रकार के कैंसर भी बुखार का कारण बन सकते हैं।

बुखार के लक्षण: बुखार के ये लक्षण हो सकते हैं: पसीना आना, ठंड लगना एवं कंपकंपी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, भूख न लगना, कमजोरी एवं थकान, चिड़चिड़ापन, निर्जलीकरण (पानी की कमी), गंभीर सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा पर दाने, दौरे पड़ना, अत्यधिक उल्टी-दस्त तथा भ्रम।

बुखार कब चिंता का विषय होता है?

जबकि अधिकांश बुखार हल्के होते हैं और कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाते हैं। कुछ स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना महत्वपूर्ण है:

- 3 माह से कम उम्र के बच्चे
- जब बुखार 103 डिग्री से अधिक हो।
- वयस्कों में यदि बुखार 3 दिन से अधिक समय तक रहे।
- यदि बुखार के साथ कोई पुरानी बीमारी हो (जैसे मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर)।
- यदि कोई नया टीका लगवाने के बाद बुखार आए जो अपेक्षित से अधिक या गंभीर हो।

बुखार होने पर क्या करें?

आराम करें: शरीर को ठीक होने के लिए आराम की आवश्यकता होती है अत: आराम करें।

तरल पदार्थ का सेवन अधिक करें: पानी, जूस, सूप, या इलेक्ट्रोलाइट घोल पीकर शरीर में पानी की कमी न होने दें। (Keep Properly hydrated)

हल्के कपड़े पहनें: बुखार होने पर बहुत सारे कपड़े न पहनें, जिससे शरीर की गर्मी बाहर निकल सके।

स्पंज स्नान करें (यदि आवश्यक हो): गुनगुने पानी से स्पंज स्नान करने से शरीर का तापमान कम करने में मदद मिल सकती है, लेकिन ठंडे पानी का उपयोग न करें।

ओवर-द-काउंटर दवाएं: बुखार कम करने और दर्द से राहत पाने के लिए पेरासिटामोल (एसिटामिनोफेन) या इबुप्रोफेन जैसी दवाओं का सेवन कर सकते हैं। बच्चों को दवा देने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें और खुराक का ध्यान रखें। एस्पिरिन बच्चों को न दें, क्योंकि इससे रेये (Rye) सिंड्रोम का खतरा होता है।

डॉक्टर से सलाह लें: यदि बुखार गंभीर हो, लंबे समय तक चले, या अन्य गंभीर लक्षणों के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, जो आपका परीक्षण कर तथा आवश्यक जाँचें कराकर बुखार के कारण को जानकर व जिस वजह से बुखार है उस वजह का उचित उपचार कर आपको स्वस्थ करेंगे।

अधिकतर बुखार वायरल इंफेक्शन के कारण होते हैं तथा सामान्यतया केवल पैरासिटामोल तथा Proper Hydration के द्वारा स्वत ठीक हो जाते हैं।

कभी-कभी कुछ बुख़ार ऐसे भी होते हैं जिनका अनेक जांचों के पश्चात भी कारण समझ में नहीं आता, बुखार एक ऐसा लक्षण है जो बिना प्रयास के भी ठीक हो सकता है, वहीं कई बार उसके उपचार में बेहद कठिनाई भी होती है।

महत्वपूर्ण नोट: यह जानकारी केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से दी गई है, इसे चिकित्सा सलाह के विकल्प के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। यदि आपको बुखार या कोई अन्य स्वास्थ्य चिंता है, तो हमेशा योग्य स्वास्थ्य पेशेवर से सलाह लेवें।

-डा. पी एम कुमावत, उज्जैन

इजरायल का ईरान के परमाणु एवं सैन्य ठिकानों पर हमला

13 जून 2025 को रात ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के तहत ईरान पर 200 फाइटर जेट से हमला करते हुए 6 सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया इनमें से 4 परमाणु ठिाने थे। यह हमला ईरान को परमाणु संधि के लिए बाध्य करने के अमेरिकी कूटनीतिक प्रयास के विफल होने पर हुआ है। इन हमलों में अनेक परमाणु वैज्ञानिकों एवं सैन्य कमाण्डर मारे गए हैं। इजराइल का कहना है कि इससे अब परमाणु हथियारों का खतरा कम होगा। कहा जाता है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने को प्रतिबद्ध है और उसने यूरेनियम को 60% तक संवर्धित कर लिया जो 90% संवर्धित से थोड़ा ही कम है। ईरान ने भी पलटवार कर इजरायल के सैन्य हैडक्वार्टर तथा रिहायशी इलाकों पर लगभग 200 मिसाइलों से हमला किया जो जारी है। जिसमें भारी नुकसान होना बताया जा रहा है। इस क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण है।

Created by Universal Document Converter

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर

वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

17 मई श्रीमती धापू देवी बम्बोरिया, मोखमपुरा, जयपुर
18 मई श्री अनिल राहोरिया, आर्य कॉलेज रोड, ब्यावर
18 मई श्री रामचन्द्र देवतवाल, सीकर रोड, जयपुर
19 मई श्री लक्ष्मीनारायण धमुनिया, शास्त्री नगर, जयपुर
20 मई श्री जीतेन्द्र नेमीवाल, फालना
21 मई श्रीमती मोती देवी मारवाल, हरमाड़ा, जयपुर
21 मई श्री राहुल बड़ीवाल, मण्डा भीम सिंह,
21 मई श्री दानाराम, ग्राम बूंटीवास
23 मई श्रीमती मनभर देवी गेदर, मधुबन कॉलोनी, जयपुर
23 मई श्री खेमराज बातरा, नीम माता, देवाली, उदयपुर
24 मई श्री राजेश कैकट्या, इंदरा बाजार, जयपुर
24 मई श्रीमती मोहिनी देवी स्व. श्री रामनारायण गेदर, मानसिंहपुरा, जयपुर
24 मई श्रीमती चौथी देवी तोंदवाल, नींदड़, जयपुर
24 मई श्रीमती जानकी देवी बबेरवाल, नींदड, जयपुर
26 मई श्री ताराशंकर दादरवाल, मीनावाला, जयपुर
26 मई श्रीमती सम्पत्त देवी माचीवाल, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
26 मई श्री श्रवण मारवाल, नया शहर, किशनगढ़
1 जून श्रीमती मोहिनी देवी मारवाल, जयपुर
1 जून श्री दिनेश वर्मा, इंदौर
3 जून श्री सुरेश मारवाल पुत्र श्री मन्नालाल, सिरसी, जयपुर
3 जून श्री सूरज मल जलान्द्रा, माल की ढाणी, सांगानेर
6 जून श्री अजय कुमावत दम्बीवाल, चौमूं
8 जून श्रीमती पुष्पलता पत्नी श्री मनोज कुमावत (देवरथ), कालवाड़ रोड
8 जून श्रीमती चंदा देवी, किरोड़ीवाल, झोटवाड़ा
8 जून श्री रामचन्द्र खोवाल, कालवाड़ रोड, जयपुर
9 जून श्री जयनारायण राहोरिया, सोडाला
11 जून श्री भैरूलाल मामोडिया, चौमूं
14 जून श्री राम गोपाल घोड़ेला, सांवेर केशरीपुरा
16 जून श्रीमती सविता देवी मामोडिया, जयपुर
16 जून श्री दामोदर प्रसाद कुमावत, रोजदा, जयपुर
17 जून श्रीमती ललिता देवी पत्नी स्व. श्री रामप्रकाश बालोदिया, जयपुर

Created by Universal Document Converter

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
निखिल	M.Tech.(CS)	Software Engi.	6.10.97	5'8''	मारोठिया	गैदर	सिरस्वा	अनावड़िया	9314529497	जयपुर
दीपक	B.Sc. (Maths)	Pvt. Job	16.12.97	5'6''	कारगवाल	सालडीवाल	माचीवाल	तुंदवाल	9785684260	सीकर
राजेन्द्र(राजेश)	B.A., PGDCA	Pvt.	30.11.94	5'8''	मारवाल	बबेरीवाल	मारोठिया	धुंधारिया	8462251251	जयपुर
दिनेश	B.Sc.	Pvt.	26.10.95	5'8''	बधानिया	मारवाल	टटवाड़िया	देवतवाल	7792872904	जयपुर
विक्रम	B.A.	Graphic Degi.	26.11.96	5'8''	धमुनिया	दोराया	चिचोलिया	सिरोहिया	9667641899	जयपुर
गणेश	B.Com.	Accountant in assam	16.3.97	5'11''	घोड़ेला	मारवाल	राजोरिया	कारगवाल	8233655018	चौमूं
डॉ. अशोक	B.V.S.C. & AH	M.V. Sc Path.	15.8.99	5'8''	जेठीवाल	तूनवाल	अम्वीदा	माचीवाल	9413644978	सीकर
दीपेश	B.Com.	Genpect	13.8.95	5'8''	खाटूवाल	मोक्या	किरोड़ीवाल	भोरोदिया	9887419242	जयपुर
तेजपाल	M. Tech (Match)	Pvt.	10.3.97	5'8''	मारवाल	धुंधारिया	आईथान	जलान्दरा	9784912016	जयपुर
पुष्पेन्द्र(हेमू)	M.Com.	Accounts Executive	9.2.96	5'8''	कुदीवाल	दोराया	पडलाया	तांगड़ा	9887284281	जयपुर
निखिल	B..Tech. (CS)	Software Eng.	24.12.2000	5'11''	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	राजोरिया	धामणिया	6375237227	जयपुर
रोहित	M.Com.	Artificial Jewellery	1.2.98	5'11''	सिरोहिया	होदकास्या	मारवाल	गुड़ीवाल	9214942909	जयपुर
पवन	B.Tech.(IT)	Teaching & E-mitra	6.4.96	5'8''	माचीवाल	राजोरिया	कुलचानिया	दौराया	9413108270	टोंक
नितेश	B.Tech.(IT)	Senior Soft. Eng.	24.2.2000	5'9''	सिरस्वा	दौराया	देहीवाल	देवतवाल	9875120270	जयपुर
निखिल	BBA, LLM	Advocate Highcourt	9.12.96	5'7''	सिंघाटिया	किरोड़ीवाल	जलान्दरा	केलूगरिया	9929840312	जयपुर
उमंग	M.Com.	Construction Business	18.9.92	5'9''	जलान्दरा	सिरस्वा	दम्बीवल	मारोठिया	9850129226	मुम्बई
अभिषेक	B. Tech (IT)	Soft. Eng.	12.2.92	5'8''	खोवाल	मारवाल	बरंडवाल	राजोरिया	9001006888	जयपुर
पुष्पेन्द्र	(तलाकशुदा) B.A., LLM	Lawyer	16.10.89	5'4''	जलान्दरा	नेमीवाल	धुंधारिया	कारगवाल	8005600659	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
रश्मि	B.Tech. (civil)	Teaching	7.10.97	5'1''	कारगवाल	मारोठिया	जलांधरा	कुदीवाल	9887512958	जयपुर
रेनूका	MA, B.Ed.	--	20.12.94	5'5''	कुण्डलवाल	छापोला	खाटूवाल	कारगवाल	9414518343	सीकर
शैफाली(विधवा)	MBA	Bank Service mumbai	22.8.90	5'5''	दादरवाल	मोरवाल	जलान्दरा	घोड़ेला	9672717490	जयपुर
निशा	MA	--	7.8.97	5'5''	माचीवाल	नोखवाल	तुनवाल	बालोदिया	9460071733	जयपुर
प्रीति	M.Sc., B.Ed.	--	23.11.95	5'2''	उदयवाल	मारोठिया	मारवाल	केलुगरिया	9414236451	जयपुर
भानू	M.Visual Ast.	Pvt.	5.8.98	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधारिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
अक्षीता	B.Tech (CSE)	B.O.B.	20.10.97	5'1''	मारोठिया	भोरोदिया	मारवाल	महावर	9250422222	जयपुर
पूनम	M.Sc., B.Ed.	--	8.10.95	5'4''	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	राजोरिया	धमुणिया	6375237227	जयपुर
रीतू	B.Com., Fash.Desin	Pvt.	13.11.95	5'4''	धुंधारिया	गैदर	सिरोहिया	अनावड़िया	9119291590	जयपुर
रिद्धीमा	M.Com. (ABST)	Graphic Desig.	11.6.96	5'2''	कारगवाल	मारवाल	जायलवाल	भूरोदिया	9474295705	जयपुर
मोनिका	M. Com.	--	13.6.94	5'1''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	9351007736	ब्यावर
निकिता	M.A.	Accounts	26.6.2000	5'1''	घोड़ेला	तुनवाल	मारोठिया	घटेलवाल	8875828935	लोसल
गायत्री	Post Graduate	B.O.B.	20.10.99	5'3''	लाम्बा	राजोरिया	कुसुम्बीवाल	मुंडिया	9414424759	नागौर
अवन्तिका	M.Sc. (Maths)	--	1.12.98	5'3''	आसीवाल	जलान्दरा	लोहरवाड़िया	साल्डीवाल	8788209389	जयपुर
सुमन	B.A.	--	26.10.2002	5'3''	घोड़ेला	बग्रानिया	मारोठिया	नरानिया	8529893208	सीकर
अर्पिता	M.A.	Muthoot Finance	6.11.2001	5'8''	कुण्डलवाल	नागा	जलान्दरा	राहोरिया	7296912930	ब्यावर
डॉ. मिताली	MBBS	P.G. in Paediatrics	12.6.97	5'4''	सिरोहिया	बालोदिया	बासनीवाल	मामोडिया	9314538631	जयपुर
निकिता	M.Com.B.Ed.	--	1.6.97	5'3''	देवतवाल	मामोडिया	अनावड़िया	मरोडिया	9828407048	जयपुर
वापिका	MCA	Pvt. Ltd.	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	बोडिया	9351708090	जयपुर
दिव्या	B.Tech.	--	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबला	खूंखवाल	खाटवाल	8947992776	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।
2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।
3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

Created by Universal Document Converter

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुनः भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Created by Universal Document Converter

श्रद्धांजलि

चतुर्थ पुण्यतिथि

देवलोक गमन : 24.06.2021

श्री रामलाल जी खण्डारिया

(Retd. F.C.I.)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, स्पष्टवादिता, सेवा भावना
कर्तव्यनिष्ठा एवं प्रेरणादायक चरित्र हम कभी नहीं भूला पाएंगे।
आपकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम सभी खण्डारिया परिवारजन आपको
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती सुशीला देवी (**धर्मपत्नी**), शंकर लाल, गोपाल लाल, प्रेमलाल (**भ्राता**), प्रकाश, राजेश, मनीष, चन्द्रेश (**भतीजे**), विनोद-रीना, अशोक-शानू (**पुत्र-पुत्रवधू**), रेखा-पुरुषोत्तम (**पुत्री-दामाद**), रिमझिम, ट्विंकल, पूर्णिमा (**पौत्री**), प्रिंस, देवेन्द्र, हरीश (**पौत्र**), प्रखर, राज (**दोहिते**)

निवास : 37, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
मो. 7742158563, 9351409373

17वीं पुण्यतिथि

23 जून, 2025

स्व. श्री देवीलाल जी बालोदिया

हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

स्व. श्रीमती बसंती देवी (**धर्मपत्नी**) • स्व.डॉ. मदन बालोदिया (**भ्राता**)
स्व. श्री विनोद-शशिकला,चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कांता, दिनेश-भावना (पुत्र एवं पुत्रवधु)
सुनील-रेणु, रवि-रिम्पल, पराग-मिन्ना, रोनित (**पौत्र एवं पौत्रवधु**)
विशाखा, चंचल व जया (**पौत्री**)
अंशुल, आशना, आरव, आर्यश (**प्रपौत्र एवं प्रपौत्री**)
राजबाला-श्री नारायण कारगवाल, ब्यावर (**पुत्री-दामाद**)
टिंकल-श्री कमल अनावड़िया • निकिता-श्री विजय मारवाल
सोनिया - नरेश मारवाल • प्रियंका - श्री भूपेश खूंखवाल (**पौत्री-दामाद**)

राज ब्लॉक्स
बी-81, रोड़ नं 4, बाईस गोदाम, इण्डस्ट्री एरिया, जयपुर
फोन: 0141-4022538, मो: 9414052736, 9928910068

श्रद्धांजलि

देहावसान: 6 जुलाई, 2023

पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परमं तपः।
पितरि प्रीतिमापन्ने सर्वाः प्रीयन्ति देवता।।

पापाजी की द्वितीय पुण्यतिथि पर हम सब उन्हें शत-शत नमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

आपने कर्तव्य पथ पर हमेशा दृढ़ता और परिश्रम से आगे बढ़ हमारा मार्गदर्शन किया। हम सब आपके द्वारा दिए मूल्यों और संस्कारों का सदैव पालन करेंगे ।

दृढ़ निश्चयी , परिश्रमी, समय के पाबंद थे पापा
प्रतिष्ठा मान थे, घर की अलग पहचान थे पापा।।

आपकी यादें हमारे दिलों में हमेशा बनी रहेगी,
हम सब पर आपका आशीर्वाद सदा बना रहे।

श्रद्धावनत

मिथिलेश वर्मा-डॉ. प्रिया मारवाल, योगेश वर्मा-प्रतिभा वर्मा (**पुत्र-पुत्रवधू**)
डॉ. चित्रा वर्मा-राजकिशोर जी (**पुत्री-दामाद**),
आदित्य, कार्तिका, मेध्या (**पौत्र-पौत्री**), मुकुंदा (**दोहिती**)
एवं समस्त खड़गटा परिवार।

25, जय जवान कॉलोनी -3, जेएलएन मार्ग, जयपुर
फोन नं.: 8905327271 , 9829266078

OM PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

AN ENGLISH MEDIUM CO-EDU. SCHOOL

51 Shiv Nagar, Heerapura Dhawas, Jaipur M.: 9214 517451, 7793094057, 8384 966 966

PG TO XII | ARTS | COMMERCE | SCIENCE

Heartiest *Congratulations*

XIITH TOPPERS 2025

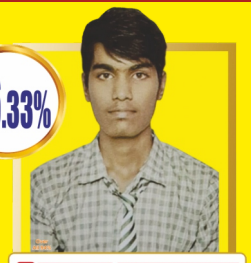

96.33% अजय कुमावत S/o श्री रामगोपाल कुमावत

95.66% हर्षित चौधरी S/o श्री रमेश चौधरी

94% कल्पित चौधरी S/o श्री मुकेश चौधरी

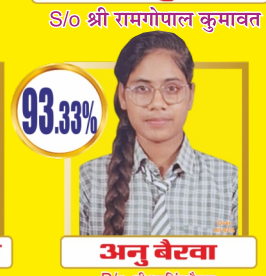

93.33% अनु बैरवा D/o श्री अरविंद बैरवा

विद्यालय द्वारा टॉपर विद्यार्थियो को कम्प्यूटर देकर सम्मानित करते हुए

प्रधानाध्यापिका रोहिणी बड़ीवाल

संचालक ओमप्रकाश बड़ीवाल

संचालक रितेश बड़ीवाल

संचालक महेश बड़ीवाल

निदेशक कैलाश बड़ीवाल

OM KIDS ACADEMY SCHOOL

Admission Open

PLAY GROUP TO X An English Medium *co-educational School*

164-166, Ekta Nagar, S-Block, Near Vidhansabha Nagar,

Dhawas, Ajmer Road- Jaipur M. 995099-1122, 902465-4556

Salient Features:-

- Affordable Fees Structure.
- Well trained teachers.
- Highly secured school.
- Open-air classrooms.
- Multimedia resource centre.
- Spacious indoor and outdoor play area.
- Appropriate child teacher ratio.
- Regular excursions & Picnics.

HEAD BRANCH OM PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

(Hindi & English Medium)

51, Shiv Nagar, Heerapura, Ajmer road, Jaipur. M. 9214517451

शत् शत् नमन
स्व. श्रीमती फूला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री फूलचन्द जी बालोदिया (माता पिता)
की पुण्य तिथि पर उनके पुत्र माधवदास बालोदिया द्वारा आयोजित
निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण, स्वास्थ्य चिकित्सा एवं तम्बाकू मुक्ति शिविर
निःशुल्क कैंसर जांच जागरुकता शिविर
भगवान महावीर कैंसर हॉस्पीटल, कैंसर केयर द्वारा
ब्लड डोनेशन शिविर (एस.एस. ब्लड सेन्टर द्वारा)
रविवार 8 जून, 2025
स्व. श्रीमती फूला देवी
स्वर्गवास: 20 मई, 2016
स्व. श्री फूलचन्द बालोदिया
स्वर्गवास: 4 जून, 1990
शिविर की झलकियाँ
माधव दास बालोदिया परिवार, जयपुर
माधव बालोदिया व बिमला देवी
विजय बालोदिया व हेमा
वेडिंग स्टेज डेकोरेटर
अजय बालोदिया व शालू
फ्लेक्स साईनेज व ग्लोसाइन
संजय बालोदिया व निशा
ग्राफिक डिजाईनिंग व प्रिन्टिग
जया व दिलजीत खड़गटा (पुत्री व दामाद)
कृति, वन्या, सयाली, लक्षिता (पौत्री) व रूद्राक्ष, हिमांक (पौत्र)
Artist MADHAV
PRODUCTION
Stage
Entry Gate
Email.: artist_madhav@yahoo.co.in I artistmadhav@gmail.com
Specialist for thermocol job all kinds of venue decoration
"Balodia House", J-10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

Since 40 Year a Registered Firm

Mohan Kumar Balodia
(T-Series Singer)

Ask for all kind of musical events

Specialty:

Old Melodies Film Songs, Gazals, 25th & 50th marriage anniversary and party songs

DIAMOND Orchestra

Balodia's Live Band

शादी समारोह, महिला संगीत,
हल्दी - मेहन्दी, भात सेरेमनी

कार्यक्रम हेतु भी सम्पर्क करें

M.98290 89930

Watch on YOUTUBE type : Balodias Diamond Orchestra or Mohan Kumar Balodia Songs

Web. : www.balodiasdiamondorchestra.com | E-mail: mohankbalodia@gmail.com

Ask for

- 25th & 50th Marriage Anniversary Celebration Songs
- Marriage, Bhat & Mehandi Functions etc. Songs Collection
- Ladies Sangeet with Special Light & Sound Effects, Anchor Male / Fe-male & Choreographer
- Live Orchestra (Small & Large Scale 4 hands to 25 hands) & instrumentals music arrangement
- Versatile Singers Male & Female of Golden Era & Latest Songs
- Specialize in live stage shows with Film Stars & in memories of Play Back Singers / Music Directors of Golden Era
- A Unit of Audio Recording
- माता जागरण, श्याम जागरण एवं भजन संध्या के लिये भी सम्पर्क करें।

राजस्थान गौरव अवार्ड से सम्मानित

With Sunny Deol

With Sonu Nigam

With Kavita Krishnamurti

Known Singer as Voice of Lata Mangeshkar

Rashmi Balodia

Akhilesh Balodia

DIAMOND SUPER SOUND STUDIO

Balodia House, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur - 4. M: 98290 89930

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015
Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri, Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018